राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण सोमवार 27 –नवम्बर–2023 वर्ष–6,अंक–302 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दिल्ली में सुबह नौ बजे एक्यूआई रहा 385, सांसों पर संकट बरकरार

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की हवा में आज (रविवार) में कोई बदलाव नहीं हुआ। सांसों पर संकट बरकरार है। समग्र वायु गुणवत्ता सूचकांक बहुत खराब श्रेणी में दर्ज किया गया। इस बीच पश्चिमी विक्षोभ के कारण मौसम में होने वाले बदलाव से कुछ राहत मिलने के आसार हैं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार दिल्ली में आज सुबह वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) गंभीर श्रेणी में रहा। राजधानी दिल्ली में सुबह नौ बजे एक्यूआई 385 रहा। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार पूरे दिन का औसत एक्यूआई शाम चार बजे दर्ज किया जाता है। शनिवार को एक्यूआई 389, शुक्रवार को 415, गुरुवार को 390, बुधवार को 394, मंगलवार को 365, सोमवार को 348 और रविवार (19 नवंबर) को 301 दर्ज किया गया था। बोर्ड के अनुसार शून्य से 50 के बीच एक्यूआई को अच्छा, 51 और 100 के बीच संतोषजनक , 101 और 200 के बीच मध्यम , 201 और 300 के बीच खराब , 301 और 400 के बीच बेहद खराब , 401 और 450 के बीच गंभीर एवं 450 के ऊपर अत्यंत गंभीर श्रेणी में माना जाता है। दिल्ली में नवंबर में अब तक 10 दिन ऐसे रहे हैं जब वायु गुणवत्ता का स्तर गंभीर श्रेणी में दर्ज किया गया।

प्रत्याशियों का भाग्य ईवीएम में और ईवीएम स्ट्रांग रूम में सील

उदयपुर। राजस्थान में उदयपुर जिले की आठ विधानसभा सीटों के लिए मतगणना एवं संग्रहण केंद्र मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय परिसर में तैयार किए गए स्ट्रोंग रूम में ईवीएम को संग्रहित कर कमरे सील किए गए। जिला निर्वाचन अधिकारी अरविन्द पोसवाल के निर्देशन में देर रात तक विभिन्न अधिकारी मौके पर डटे रहे। जिले के 8 विधानसभा क्षेत्रों में मतदान समाप्ति के बाद देर शाम से मतदान दलों के लौटने का क्रम शुरू हो गया। जिला मुख्यालय तथा आसपास के केंद्रों से मतदान दल पहले पहुंचे। वही दूरस्थ क्षेत्रों की टीमों के आने का दौर रात तक चलता रहा। मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय परिसर में बनाए गए विधानसभा वार ईवीएम-वीवीपेट सहित अन्य सामग्री, निर्वाचन से जुड़ी पत्रावलियां आदि

26/11 अटैक की बरसी से लेकर शादी की खरीददारी पर भी बोले पीएम मोदी, मन की बात का 107वां एपिसोड

पीएम नरेंद्र मोदी ने 107वीं बार मन की बात में देशवासियों को संबोधित किया। उन्होंने सबसे पहले 26/11 की बरसी पर आतंकी हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि ली। कहा आज का दिन एक और अहम घटना का साक्षी है

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार 26 नवंबर को देशवासियों से 'मन की बात' की। उन्होंने 107वीं बार देशवासियों को रेडियो से संबोधित किया। मन की बात कार्यक्रम में पीएम मोदी ने सबसे पहले 2008 मुंबई आतंकी हमले की 15वीं बरसी पर मरने वालों को श्रद्धांजलि दी। पीएम मोदी ने कहा कि देशवासी आज भी इस आतंकी हमले को भूल नहीं पाए हैं। मन की बात में पीएम ने शादी की खरीददारी को लेकर भी देशवासियों से अपील की।

पीएम मोदी ने मन की बात कार्यक्रम में कहा कि आज ही के दिन 15 साल पहले मुंबई में हमारे लोगों ने आतंकी हमले को सहा। आज भी वो दुख हम भूल नहीं पाए हैं।

26 नवंबर का दिन एक और घटना का साक्षी

पीएम मोदी ने अपने संबोधन में आगे कहा कि आज का दिन एक और घटना का साक्षी है। आज ही के दिन देश की संविधान सभा में संविधान को रखा गया था। संविधान को बनने में 2 साल 11 माह और 18 दिन का वक्त लगा था। इसे 60 से अधिक देशों के संविधान को पढ़ने के बाद बनाया गया था। इस काम में भीमराव आंबेडकर जी ने अहम योगदान निभाया।

अब तक 106 संशोधन

पीएम मोदी ने आगे कहा कि देश के संविधान ने भारत को निरंतर आगे बढ़ाने में अहम कड़ी का काम किया है। हालांकि संविधान को समय के साथ-साथ संशोधित भी किया गया। अब तक संविधान में करीब 106 संशोधन हो चुके हैं। पीएम मोदी ने इसमें 44वें संशोधन का भी जिक्र किया। कहा कि यह तब की बात है जब देश में इमरजेंसी की गलती को सुधारा गया।

शादी की खरीददारी में लोकल पर जोर रखें

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'स्वच्छ भारत अभियान' और 'वोकल फॉर लोकल' अभियान की सराहना की। कहा, स्थानीय उत्पादों का उपयोग करने की यह इच्छा केवल त्योहारों तक ही सीमित नहीं होनी चाहिए। मैं आपसे आग्रह करता हूं कि शादी की खरीदारी में भी स्थानीय उत्पादों को महत्व दें क्योंकि शादी का मौसम आने वाला है। पीएम मोदी ने लोगों से सभी भुगतानों के लिए यूपीआई का उपयोग जारी रखने को कहा। कहा कि पिछले महीनों में यूपीआई भुगतान में वृद्धि हुई है और मैं आपसे आग्रह करता हूं कि आप केवल यूपीआई भुगतान करें और मुझे अपने अनुभव के बारे में लिखें।

> पीएम मोदी ने अपने संबोधन में आगे कहा कि आज का दिन एक और घटना का साक्षी है। आज ही के दिन देश की संविधान सभा में संविधान को रखा गया था। संविधान को बनने में 2 साल 11 माह और 18 दिन का वक्त लगा था। इसे 60 से अधिक देशों के संविधान को पढ़ने के बाद बनाया गया था। इस काम में भीमराव आंबेडकर जी ने अहम योगदान निभाया।

भारत के पास आतंक को मिटाने की इच्छाशक्ति और संकल्प

जम्मू–कश्मीर के डीजीपी ने पाकिस्तान को चेताया

श्रीनगर। भारत ने सीमा पार से आतंकवादियों की घुसपैठ के लिए पाकिस्तान को फिर चेताया है। जम्मू-कश्मीर के डीजीपी आरआर स्वैन ने कहा कि सीमा पार की सरकार जम्मू और कश्मीर के नागरिकों और यहां के विकास के लिए हानिकारक हैं। पाक लगातार कश्मीर में शांति को बाधित करने और घाटी को आतंकवाद और हिंसा के काले दिनों में वापस खींचने की कोशिश कर रही है। उन्होंने स्थानीय लोगों को खतरे के प्रति जागरूक करते हुए और सतर्क रहने के लिए कहा है। आपको बता दें कि उनकी यह टिप्पणी राजौरी मुठभेड़ के ठीक बाद आई है। इस एनकाउंटर में सुरक्षा बलों ने एक गुफा के अंदर छिपे दो पाकिस्तानी आतंकवादियों को मार गिराया था। बुधवार को राजौरी जिले के बाजीमल इलाके में आतंकवादियों और सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस की संयुक्त टीम के बीच मुठभेड़ में दो वरिष्ठ रैंकिंग अधिकारियों सहित पांच सैनिकों की भी जान चली गई। सेना ने जिन दो आतंकवादियों को मार गिराया उनमें लश्कर-ए-तैयबा का स्नाइपर कारी भी शामिल था। वह कश्मीर में हाल की कई आतंकवादी घटनाओं में शामिल था। राजौरी गोलाबारी में सर्वोच्च बलिदान देने वाले सैनिकों की पहचान कैप्टन एम वी प्रांजल, कैप्टन शुभम गुप्ता, लांस नायक संजय बिष्ट, पैराट्रूपर सचिन लौर और हवलदार अब्दुल माजिद के रूप में की गई। पुंछ में एक जनता दरबार के मौके पर डीजीपी स्वैन ने कहा, ÷हाल की घटनाओं से मुझे अत्यधिक चिंतित होने का कोई कारण नहीं है। लेकिन मुझे लगता है कि एक आम नागरिक, विशेष रूप से वहां रहने वाला जम्मू प्रांत के लोगों को मानसिक रूप से सतर्क रहना चाहिए। हालांकि भारत को नुकसान पहुंचाने की उनकी क्षमता वैसी नहीं है जैसी वे इसे पेश करना चाहते हैं। उन्होंने इस बात को भी स्वीकार किया कि सीमा पार आतंकवाद कश्मीर में सुरक्षा बलों के लिए एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। डीजीपी ने कहा, कोई भी इस वास्तविकता से दूर नहीं भाग रहा है कि यह एक चुनौती है। लेकिन भारत सरकार के पास साधन, इच्छाशक्ति और इसे हराने का संकल्प है।

2040 तक भारत की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था 40 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने को तैयार: केंद्रीय मंत्री

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि भारत की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था 2040 तक 40 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने की ओर अग्रसर है। उन्होंने साथ ही कहा कि इससे वैज्ञानिकों को भी बेहतर कामकाजी माहौल मिलेगा। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा परमाणु ऊर्जा व अंतरिक्ष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) ने कहा कि 'एकेडी' जैसी कुछ विदेशी एजेंसियों ने अनुमान लगाया है कि यह आंकड़ा 2040 तक 100 अरब अमेरिकी डॉलर के पार भी पहुंच सकता है। सिंह ने एक बातचीत में कहा, ''वर्तमान में हमारी अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था बहुत प्रभावशाली नहीं है। अभी यह करीब 80 लाख अमेरिकी डॉलर ही है। हालांकि, हम बेहद तेज गति से आगे बढ़ रहे हैं अकेले विदेशी उपग्रह प्रक्षेपण में...हमने यूरोपीय उपग्रहों के प्रक्षेपण से करीब 23 से 24 करोड़ यूरो और अमेरिकी उपग्रहों के प्रक्षेपण से करीब 17 से 18 अमेरिकी डॉलर कमाए हैं।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के रॉकेट प्रक्षेपण की 60वीं वर्षगांठ समारोह का यहां शनिवार को उद्घाटन करने के बाद सिंह ने कहा कि 'अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन' की स्थापना के साथ उद्योग में एक महत्वपूर्ण उपस्थिति स्थापित की जा सकती है।

2025 तक भारत एक व्यक्ति को अंतरिक्ष में भेजेगा

इस तथ्य से सहमत होते हुए कि भारत को अपने अंतरिक्ष क्षेत्र में संसाधन की कमी का सामना करना पड़ा उन्होंने कहा ''हमारे पास मौजूद वैज्ञानिक कौशल से हम इससे निपट सकते हैं। मंत्री ने कहा कि 2025 तक भारत एक व्यक्ति को अंतरिक्ष में भेजेगा और उसे सुरक्षित वापस लाएगा। उन्होंने कहा, ''इसके दो से तीन महीने पहले हमारे पास अंतरिक्ष में जाने वाली एक महिला रोबोट होगी, जो अंतरिक्ष यात्री की सभी गतिविधियों की नकल कर सकती है।

जनता के आशीर्वाद से 'आप' एक राष्ट्रीय पार्टी बनी : केजरीवाल

नयी दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि आम आदमी पार्टी(आप) को जनता ने अपने प्यार और आशीर्वाद से राष्ट्रीय पार्टी में बदल दिया है।

केजरीवाल ने एक्स पर कहा आज ही के दिन साल 2012 में देश के आम आदमी ने उठकर अपनी खुद की पार्टी 'आम आदमी पार्टी' की स्थापना की थी। तब से लेकर आज तक इन 11 साल में बहुत उतार-चढ़ाव आए, बहुत मुश्किलें भी आई लेकिन हम सबके जज़्बे और जुनून में कोई कमी नहीं आई है।

उन्होंने कहा एक छोटी सी पार्टी को आज जनता ने अपने प्यार और आशीर्वाद से एक राष्ट्रीय पार्टी में बदल दिया है, जनता का आशीर्वाद हमारे साथ है, हम सब अपने मज़बूत इरादों के साथ आगे बढ़ते रहेंगे और जनता के लिए काम करते रहेंगे।

उन्होंने आखिर में सभी कार्यकर्ताओं को पार्टी के स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दी।

उल्लेखनीय है कि आम आदमी पार्टी की स्थापना 26 नवंबर 2012 को हुई थी।

'देश हमेशा याद रखेगा...' राजनाथ सिंह ने 26/11 आतंकी हमले के पीड़ितों को श्रद्धांजलि दी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को नरसंहार की 15वीं बरसी के अवसर पर 26/11 मुंबई आतंकवादी हमले में जान गंवाने वाले सभी लोगों को श्रद्धांजलि दी। एक्स पर एक पोस्ट में रक्षा मंत्री ने कहा कि हमले के दौरान सर्वोच्च बलिदान देने वाले सुरक्षा बलों के बलिदान को देश हमेशा याद रखेगा। सिंह ने कहा, 26/11 मुंबई आतंकी हमलों के पीड़ितों को मेरी हार्दिक श्रद्धांजलि। राष्ट्र उन सुरक्षा कर्मियों के बलिदान को हमेशा याद रखेगा जिन्होंने कर्तव्य के दौरान अपनी जान दे दी। पाकिस्तान स्थित लश्कर-ए-तैयबा के भारी हथियारों से लैस आतंकवादियों के एक समूह ने 15 साल पहले 26/11 की रात को देश की वाणिज्यिक राजधानी में तबाही मचाई थी, और शहर के कई प्रमुख सार्वजनिक प्रतिष्ठानों पर निहत्थे नागरिकों पर गोलियां बरसाई थीं। छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस, ओबेरॉय ट्राइडेंट, ताज महल होटल, लियोपोल्ड कैफे, कामा अस्पताल और नरीमन हाउस यहूदी सामुदायिक केंद्र, जिसे अब नरीमन लाइट हाउस नाम दिया गया है, आतंकवादियों द्वारा लक्षित स्थानों में से कुछ थे। हमलों में विदेशियों सहित 166 से अधिक लोग मारे गए और 300 से अधिक घायल हो गए। जबकि एक आतंकवादी, अजमल आमिर कसाब को जिंदा पकड़ लिया गया था, अन्य को चार दिनों की घेराबंदी के अंतिम चरण में बाहर निकाला गया था। मई 2010 में, कसाब को मौत की सजा सुनाई गई और दो साल बाद पुणे शहर की अधिकतम सुरक्षा वाली जेल में फांसी दे दी गई।

कांग्रेस पार्टी ने भी हमले के पीड़ितों को श्रद्धांजलि दी। एक्स को संबोधित करते हुए पार्टी ने कहा कि वह हमेशा दुश्मनों के सामने मजबूती से खड़ी रही है। कांग्रेस ने कहा, हम 26/11 के भीषण मुंबई आतंकवादी हमले के सभी शहीदों और पीड़ितों को अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं, जिसने 2008 में पूरे देश को हिलाकर रख दिया था। हम हमेशा दुश्मनों के सामने मजबूती से खड़े रहे हैं, और हम सभी प्रकार के हमलों से लड़ने की प्रतिज्ञा करते हैं। हमारे देश पर निर्देशित आतंक और धमकियां।

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भी ड्यूटी के दौरान अपनी जान गंवाने वाले सुरक्षाकर्मियों को श्रद्धांजलि देने के लिए एक्स का सहारा लिया। केजरीवाल ने कहा, आज 26/11 मुंबई आतंकी हमले की बरसी है, मैं उन दुखद हमलों में अपनी जान गंवाने वालों को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और देश के उन बहादुर सैनिकों के साहस और बलिदान को सलाम करता हूं जिन्होंने देश की रक्षा के लिए अपनी जान जोखिम में डाल दी।

राजस्थान में विधानसभा चुनाव में करीब 75 प्रतिशत मतदान हुआ

जयपुर। राजस्थान में विधानसभा आम चुनाव-2023 के लिए करीब 75 प्रतिशत मतदान हुआ। राज्य के निर्वाचन विभाग ने शनिवार देर रात जारी किए आंकड़े के अनुसार विधानसभा चुनाव के लिए शनिवार को हुए मतदान में 74.13 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का उपयोग किया। इससे पहले इस बार पहली बार बुजुर्ग एवं दिव्यांगों के लिए शुरु की गई होम वोटिंग तथा पोस्टल बैलेट मतदान को मिलाकर मतदान 74.96 प्रतिशत पहुंच गया जो वर्ष 2018 विधानसभा चुनाव मतदान प्रतिशत 74.09 प्रतिशत से अधिक है।

प्रदेश में पोकरण विधानसभा क्षेत्र में सबसे अधिक मतदान हुआ जहां 87.79 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का उपयोग किया। इसी तरह 85.15 प्रतिशत मतदान के साथ तिजारा विधानसभा क्षेत्र दूसरा सर्वाधिक मतदान वाला क्षेत्र रहा। इसी तरह प्रदेश का मारवाड़ जंक्शन विधानसभा क्षेत्र में सबसे कम मतदान दर्ज किया गया जहां 61 10 प्रतिशत मतदाताओं ने वोट डाले जबकि आहोर में 61.19 प्रतिशत मतदान हुआ।

शनिवार शाम छह बजे मतदान समाप्त की अवधि के बाद भी कई जगहों पर जो मतदाता मतदान केन्द्र पहुंच गये, उनका मतदान जारी रहने से मतदान प्रक्रिया के संपन्न होने में समय लगा और देर रात तक ईवीएम मशीने मतगणना स्थल पर पहुंचाई जा सकी। अब कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच ईवीएम मशीनों को संग्रहण केन्द्रों में रखा गया हैं और तीन दिसंबर को मतगणना होगी। इस बार चुनाव में राज्य की 200 विधानसभा सीटों में 199 सीटों के लिए 1860 से अधिक उम्मीदवार चुनाव मैदान में अपना चुनावी भाग्य आजमाया हैं। उल्लेखनीय है कि गंगानगर जिले में करणपुर विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी एवं विधायक गुरमीत सिंह कुन्नर के निधन के कारण करणपुर सीट पर चुनाव स्थगित कर दिया गया था।

> **प्रदेश में पोकरण विधानसभा क्षेत्र में सबसे अधिक मतदान हुआ जहां 87.79 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का उपयोग किया। इसी तरह 85.15 प्रतिशत मतदान के साथ तिजारा विधानसभा क्षेत्र दूसरा सर्वाधिक मतदान वाला क्षेत्र रहा। इसी तरह प्रदेश का मारवाड़ जंक्शन विधानसभा क्षेत्र में सबसे कम मतदान दर्ज किया गया जहां 61 10 प्रतिशत मतदाताओं ने वोट डाले जबकि आहोर में 61.19 प्रतिशत मतदान हुआ।**

चुनाव में सत्तारुढ़ कांग्रेस, मुख्य विपक्ष भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), बहुजन समाज पार्टी (बसपा) राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (रालोपा) आम आदमी पार्टी, आजाद समाज पार्टी (कांशीराम), मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) भारत आदिवासी पार्टी, जननायक जनता पार्टी, भारतीय ट्राइबल पार्टी सहित करीब अस्सी पार्टियों के उम्मीदवारों एवं करीब 730 निर्दलीय प्रत्याशियो ने चुनाव लड़ा। इनमें दिग्गज नेताओं में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, विधानसभा अध्यक्ष सी पी जोशी, पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट, नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र सिंह राठौड़, उपनेता प्रतिपक्ष डा सतीश पूनियां, स्वायत शासन मंत्री शांति धारीवाल, शिक्षा मंत्री बी डी कल्ला सहित गहलोत सरकार के कई मंत्री, भाजपा सांसद दीया कुमारी, राज्यवर्धन सिंह राठौड़, बाबा बालकनाथ, किरोड़ी लाल मीणा एवं देवजी पटेल एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री सुभाष महरिया, रालोपा के संयोजक एवं नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल का चुनावी भाग्य ईवीएम में बंद हो गया। इसी तरह भाजपा एवं कांग्रेस के कई विधायकों सहित इस चुनाव में हिस्सा लेने सभी उम्मीदवारों का चुनावी भाग्य ईवीएम में बंद हो गया जो तीन दिसंबर मतगणना के दिन खुलेगा।

संपादकीय

भारतीयों की जिंदगी

उत्तरकाशी का सिलक्यारा सुरंग हादसा और उसके बाद चला बचाव अभियान न केवल प्रशंसनीय, बल्कि अनुकरणीय भी है। विशेष रूप से बचाव कार्य से यह सहज आभास हो जाता है कि हम भारतीय अपने जीवन और उसके मूल्य को लेकर कितने सजग हो गए हैं। हमारे लिए एक-एक भारतीय की जान कीमती है और हादसे के बाद एक क्षण के लिए भी यह एहसास नहीं होने दिया गया है कि बचाव में कोई कोताही बरती जा रही है। सुरंग में फंसे 41 हमवतन मजदूर किसी वीर योद्धा से कम नहीं हैं। जब अचानक ऐसा कोई हादसा होता है, तो संयम और मनोबल बनाए रखना सबसे बड़ी चुनौती होती है। सभी 41 मजदूरों की प्रशंसा होनी चाहिए और बचाव कार्य में लगे उन तमाम मजदूरों और विशेषज्ञों की भी पीठ थपथपाने की जरूरत है, जिन्होंने मौके पर मोर्चा संभाल रखा है। तारीफ करनी चाहिए, उस इंजीनियर या अधिकारी की, जिसकी चतुराई से सुरंग में एक पाइप पहले ही बिछ गई थी और लगभग 60 मीटर तक मलबा गिरने के बावजूद कारगर जीवन-रेखा बनी हुई है। देश में जहां कहीं भी सुरंगें बन रही हैं, वहां ऐसी जीवन-रेखा का पहले ही बिछ जाना कितना जरूरी है, यह सबने देख लिया है। पाइप के स्वरूप में यह जीवन-रेखा इस हादसे का एक बहुमूल्य सबक है। ऐसा सुरंग हादसा भारत में पहले कभी नहीं देखा गया था और न ऐसा बचाव अभियान कभी चला है। जहां भारत के तमाम सुरंग विशेषज्ञों की मदद ली जा रही है, वहीं विदेशी मशीनों और विदेशी विशेषज्ञों की मदद लेने में भी कोई संकोच नहीं है। भारत को अपनी तरक्की में किसी भी विशेषज्ञ मदद का लाभ लेने में हिचकना नहीं चाहिए और जहां बात भारतीयों के जीवन की आती है, तो उससे भी समझौते की कोई गुंजाइश नहीं छोड़नी चाहिए। अगर सुरंग निर्माण में लगी कंपनियां किसी भी स्तर पर उदासीनता या लापरवाही बरत रही हैं, तो उन्हें पाबंद करने की जरूरत है। अगर सुरंग निर्माण की निगरानी के लिए नए नियामक या नए नियमों की जरूरत है, तो इसमें देरी करना ठीक नहीं। सुरंग परियोजनाओं में वैज्ञानिकों को साथ रखने में ही सभी कंपनियों की भलाई है। आज बचाव कार्य में जो खर्च करना पड़ रहा है, वह सुरंग के सुरक्षित निर्माण में भी खर्च हो सकता था। यह भी एक अच्छी बात है कि बचाव कार्य की देख-रेख प्रधानमंत्री कार्यालय के अधिकारी कर रहे हैं और तभी बचाव कार्य में किसी भी तरह की कमी की आशंका नहीं है। इससे यह भी पता चलता है कि भारतीयों की जिंदगी को सरकार कितना महत्व दे रही है। 41 मजदूर केवल एक संख्या नहीं हैं, बल्कि हमारी तरक्की और गौरव का अहम हिस्सा हैं। जो देश अपने लोगों की परवाह करता है, वही तेजी से विकास करता है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सदस्य लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन ने बिल्कुल सही कहा कि भारत अपने सुपूतों को बचाने के लिए युद्ध लड़ रहा है। ऐसे बचाव अभियान वाकई युद्ध स्तर पर ही चलाए जाने चाहिए। जिन अधिकारियों ने मजदूरों को चिंता न करने के लिए समझाया है, लूडो, योग और चोर-पुलिस जैसे खेलों के लिए प्रेरित किया, उनकी भी प्रशंसा होनी चाहिए। जो भारतीय आज के समय में देश के विकास के लिए बेहद मुश्किल कामों में लगे हैं, जिनकी जिंदगी हर पल चुनौतियों से घिरी हुई है, उन सभी की बेहतरी के बारे में भी सोचने और जरूरी कदम उठाने का वक्त आ गया है।

आज का राशिफल

मेष — जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। रोजी के अवसर बढ़ेंगे। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। किसी मूल्यवान वस्तु के चोरी या खोने की आशंका है। व्यावसायिक मामलों में लाभ मिलेगा।

वृषभ — आर्थिक मामलों में सुधार होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मांगलिक उत्सव में भाग लेंगे। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

मिथुन — पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। किसी कार्य के सम्पन्न होने से आपके प्रभाव तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। संतान या शिक्षा के कारण चिंतित हो सकते हैं। रचनात्मक प्रयास फलीभूत होंगे।

कर्क — आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। दूसरों से सहयोग लेने में सफल होंगे। विभागीय समस्या आ सकती है।

सिंह — पारिवारिक जनों के साथ सुखद समय गुजरेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। किसी रिश्तेदार के कारण तनाव हो सकता है।

कन्या — जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। मांगलिक उत्सव में हिस्सेदारी होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला — प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। किया गया श्रम सार्थक होगा। संबंधित अधिकारी के कृपा पात्र होंगे। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

वृश्चिक — दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

धनु — संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। नेत्र विकार की संभावना है। मन अशान्त रहेगा। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। स्वास्थ्य एवं प्रतिष्ठा के प्रति सचेत रहें।

मकर — पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। संबंधित अधिकारी से तनाव मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। कोई पारिवारिक व व्यावसायिक समस्या आ सकती है।

कुम्भ — जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। किसी अज्ञात भय से ग्रसित रहेंगे। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

मीन — पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। सुखद परिवर्तन की दिशा में व्यक्ति विशेष का सहयोग मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। रक्तचाप में वृद्धि होगी।

गाज़ा में युद्धविराम के यक्ष प्रश्न

पुष्परंजन

मंगलवार रात को गाज़ा में लड़ाई रोके जाने पर सहमति बनी, बुधवार को घोषणा की गई कि गुरुवार सुबह से युद्ध को अस्थायी रूप से विराम दिया जाएगा। लेकिन लड़ाई रुकी नहीं, बल्कि और तेज़ होने लगी। युद्धविराम से पहले गाज़ा के सिटी सेंटर के जितना करीब संभव हो सके, इस्राइली सैनिकों के पहुंचने की कोशिशें तेज़ हो चुकी थीं। इस्राइली बलों को सेफ्टी कवर देते हुए हवाई बमबारी जारी रही। ऐसे में आप कैसे मान लेंगे कि सब कुछ आसान है, और नेतन्याहू की नीयत साफ़ है? नीयत दूसरी ओर भी साफ़ नहीं है। कतरी मध्यस्थों के माध्यम से हमास से जो स्पष्टीकरण अपेक्षित थे, आरम्भ में वो प्रतिक्रिया देने से चुप रहते थे। गुरुवार दोपहर को कतर विदेश मंत्रालय ने हमास की तरफ से हरी झंडी मिलने की बात कही। फ़िर तय हुआ कि संघर्ष विराम शुक्रवार सुबह 7 बजे शुरू होगा, और 13 इस्राइली बंदियों के पहले समूह को शाम 4 बजे रिहा किया जाएगा। इस सौदे में सबसे संदिग्ध चेहरा हमास नेता याह्या सिनवार बताया गया है, जिसके वादों पर भरोसा करना इस्राइली पक्ष के लिए मुश्किल है। कुछ सैन्य इतिहासकार इसे अतीत के युद्धविराम से भिन्न मानते हैं। शुक्रवार सुबह 7 बजे तक का समय बढ़ाने और बंदूकों के गरजने से रोकने के पीछे यही रणनीति थी, कि गाज़ा के अधिकाधिक इलाके इस्राइली सैनिकों के हाथ में आ जाएं। इस थ्योरी को आगे बढ़ाने में इस्राइली लालफीताशाही ने भरपूर मदद की है। संघर्षविराम को दो बार स्थगित करने का एक कथित कारण यह था कि समझौते पर कतर और हमास द्वारा औपचारिक रूप से हस्ताक्षर नहीं किए गए थे, केवल आधिकारिक तौर पर घोषणा की गई थी कि युद्धविराम पर सहमति हो गई है। रिहा किए जाने वाले लोगों की सूची में नामों को स्पष्ट करने में भी लालफीताशाही की अपनी शरारत थी। लगता है कि इस्राइली सैन्य कमान को बता दिया गया था कि युद्धविराम के आदेशों को जितना संभव हो, देर से लागू करो, इस बीच हमास प्रभावित इलाक़ों को हथियाते हुए आगे बढ़ो। दांत दिखाने और खाने के अंतर को आप यहां भी देख सकते हैं। 'आइए लड़ाई रोकें और लोगों का आदान-प्रदान करें', राजनेताओं के ऐसे बयान सुनिये, तो लगता है कि दुनियाभर की अपील काम कर गई है। इस शब्दजाल को इस्राइली सेना भी समझ रही थी, और दूसरी ओर हमास मिलिटेंट्स भी। कतर ने गुरुवार को घोषणा की थी, 'लड़ाई रुकने के ठीक नौ घंटे बाद, बंदियों का पहला जत्था शुक्रवार शाम 4 बजे रिहा किया जाएगा।' लेकिन युद्धक्षेत्र में शाम के समय बंदियों के आदान-प्रदान को सामान्यत: सुरक्षित नहीं माना जाता है। बंदियों के तबादले के बाद हमास के पास ह्यूमन शील्ड की संख्या कम पड़ती जाएगी, ऐसा भी लगने लगा है, क्योंकि ज़्यादातर नागरिक दक्षिणी गाज़ा की तरफ़ शिफ्ट हो चुके हैं। आईडीएफ(इस्राइली डिफेंस फोर्स) के प्रवक्ता ने शुक्रवार को चेतावनी दी कि विस्थापित फ़लस्तीनी नागरिक उत्तर की तरफ़ आने की हिमाक़त न करें। इससे लगता है कि नार्थ का जो हिस्सा आईडीएफके कब्ज़े में आ चुका है, उसे वो छोड़ने वाले नहीं। यों, 13 नवंबर की रिपोर्टों से पता चलता है कि उत्तरी गाजा में हमास की 10 बटालियनों को नष्ट कर दिया गया था। इसका मतलब है कि उनके कई कमांडर अब जीवित नहीं बचे हैं। गाज़ा में हमास की करीब 24 बटालियनें हैं। इन बटालियनों में 140 कंपनियों के होने का अनुमान लगाया जाता रहा है। एक कंपनी में आमतौर पर 100 लड़ाके होते हैं। 7 अक्तूबर को हमास के पास लगभग 30,000 लड़ाके थे। उनमें से कुछ इस्राइल पर हमला करते हुए मारे गए, कुछ को हिरासत में लिया गया है। सैन्य विशेषज्ञ बताते हैं कि हमास मरीन कमांडो जैसी कई विशेष इकाइयों को समाप्त कर दिया गया है। हमास की मुख्य लड़ाकू इकाई बटालियन स्तर है। जिनमें टैंक रोधी मिसाइलें, स्नाइपर्स, रॉकेट और मोर्टार को एक्टिव करने वाले एक्सपर्ट व सैनिक शामिल हैं। ऐसा लगता है कि गाजा में हमास की कुछ बटालियनें पूरी तरह से नष्ट हो गई हैं। गाजा शहर के उत्तर-पश्चिम में समुद्र तट के पास शिफ़ा अस्पताल के आसपास भी आईडीएफ से लड़ाई में 200 हमास मिलिटेंट्स मारे गए, ऐसा वहां के जानकार बताते हैं। हमास के पास उत्तरी गाजा में अपने लड़ाकों को बदलकर नई कुमुक लाने का कोई रास्ता नहीं नज़र आता है। युद्धविराम के बाद संभव है कि वो स्वयं को चारों तरफ़ से घिरा हुआ महसूस करें। शिफ़ा अस्पताल से लगी सुरंग बंद है। दूसरी सुरंगों से मिलने वाले रसद-गोले बारूद का कोई रास्ता नहीं है। हमास का सप्लाई नेटवर्क इतना अवरुद्ध है कि लड़ाके ढीले पड़ने लगे हैं। दूसरी ओर लेबनान बॉर्डर पर हिजबुल्ला के ठिकानों पर इस्राइली हमले के पीछे यही रणनीति है कि उन्हें उलझाकर रखा जाए, ताकि वो हमास की मदद न कर पायें। हिज़बुल्ला लीडरशिप लगातार ईरान के संपर्क में है। तेहरान के आक्रामक तेवर से यही लग रहा है कि युद्धभूमि को उसे शांत नहीं रखना है। ईरानी विदेशमंत्री हुसैन अमीर अब्दुल्लाहियान ने गुरुवार को लेबनान में इस्लामी प्रतिरोध आंदोलन 'हिज़बुल्ला' के महासचिव सैयद हसन नसरुल्लाह से मुलाकात की। ईरानी विदेशमंत्री ने अस्थाई युद्धविराम और बंदियों के आदान-प्रदान में अपनी रणनीति को हिज़बुल्ला लीडरशिप से साझा किया। बाहर पत्रकारों को यही बयान दिया कि इस्राइल डरा हुआ है, जायोनी दुश्मन की पराजय निश्चित है। लेबनान की यात्रा पूरी करने के बाद ईरानी विदेशमंत्री कतर पहुंच गये हैं, जहां उन्होंने अपने समकक्ष से फ़लस्तीन युद्धभूमि के बदलते हालात पर विचारों का आदान-प्रदान किया। ईरान इस पूरे माहौल में अपना इकबाल बनाये रखना चाहता है, यह उसकी लीडरशिप की गतिविधियों से स्पष्ट हो रहा है। सबसे बड़ी बात बचे बंधकों को लेकर है। वो कब और किन हालात में छोड़े जाएंगे, यह सब कुछ युद्धस्थल की रणनीतियों पर निर्भर करता है। लंदन स्थित संस्था अल-अरबी-अल-जदीद ने मिस्र के सूत्रों का हवाला देते हुए कहा कि हमास रेडक्रॉस के प्रतिनिधियों को उन स्थलों का दौरा करने की अनुमति देने से इनकार कर रहा है, जहां शेष बंधकों को रखा गया है। हमास की तरफ से बस इतना भर आश्वासन है कि इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ रेडक्रास एंड रेड क्रिसेंट (आईएफआरसी) को इस बारे में अपडेट करते रहेंगे। जेनेवा स्थित आईएफआरसी के महासचिव जगन चापागाईं के लिए भी यह परीक्षा की घड़ी है, जो बंदियों की अदला-बदली को मॉनिटर कर रहे हैं। नेपाल स्थित चितवन ज़िले के दिब्यनगर में जन्में जगन चापागाईं भारत में इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर चुके हैं।

लेखक ईयू-एशिया न्यूज़ के नयी दिल्ली संपादक हैं।

चीन में रहस्यमयी बीमारी फिर आएगी नई महामारी

(लेखक-ऋतुपर्ण दवे)

एक बार फिर पूरी दुनिया चीन में बच्चों में फैली रहस्मय बीमारीको लेकर बेहद खौफजदा है। ढीठचीन पहले की तरह ऐंठा हुआ है कि किसी नई बीमारी के संकेत वहां नहीं मिले हैं। जो हैं सभीपहले से मालूम बैक्टीरिया-वायरसहैंजो बच्चों में फैल रहे हैं।इधर विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ)ने जब रहस्यमयी बीमारी के बारे में पूछताछ की उसने बताया कि कुछ भी असामान्य नहीं है। यहसाधारण बीमारी है। लेकिन उसकी चालबाजी यहीं समझ आती है कि जब बीमारी सामान्य है तो फिर क्यों विशेषज्ञ इसकी वजह कोविड पाबंदियों को हटाना, इन्फ्लूएंजा, बच्चों में एक आम जीवाणु संक्रमण यानी माइकोप्लाज्मा निमोनिया और रेस्पिरेटरी सिंकाइटियल वायरस यानी आरएसवी को बताते हैं?कहीं चीन बीमारी की सच्चाई जानकर भी दुनिया को दोबारा धोखा देने की फिराक में तो नहीं?क्यों विश्व स्वास्थ्य संगठन भी लोगों से अपील कर रहा है कि साफ-सफाई का ध्यान रखेंऔर श्वांस संबंधी किसी भी लक्षणों पर तुरंत डॉक्टर से मिलें! इधर पड़ोसीनेपाल ने न केवल अलर्ट जारी किया बल्किबीमारी की जानकारी न देने पर चीन से नाराजगी भी जताई है। कोविड-19 सरीखे लक्षणों वाली नई बीमारी के चीन में जितनेभी टेस्ट हुए हैंउनमें चीन ने कोरोना को खारिज किया गया है। लेकिनक्यों विशेषज्ञ इतने दिनों के बाद भी किसी नतीजे पर नहीं पहुंच पा रहे हैं? बीमारी कैसे फैल रही है?पिछले दो-तीन बरसों में ऐसी क्यों नहीं फैली?इसे लेकर चीन खामोश है। इसी13 नवंबर कोउसके राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग ने बताया था कि वहां एक नया संक्रमणतेज फैल रहा है। बच्चे ज्यादा चपेट में आ रहे हैं। उत्तरी भागों में पिछले तीन बरसोंके मुकाबले इस अक्टूबर मध्य से एकाएक फैलतेजी से पैर पसारा। इंफ्लूएंजा अमूमन जल्द काबू आता है। अभी जब नहीं आया तब 21 नवंबर को तबसार्वजनिक रोग निगरानी प्रणाली (प्रोमेड)ने उत्तरी चीन में रहस्यमय न्यूमोनिया जैसी बीमारी सार्वजनिक की।देखते-देखतेअस्पतालमरीजोंऐसे भरने लगे जो रुकने का नाम ही ले रहे। यहीं से चिंता और चीन के पुराने झूठ और दोगलेबाजी पर ध्यान जाने लगा?इधर विश्व स्वास्थ्य संगठन ने चीन को चेताया कि बीमारी के जोखिम को कम करने खातिर टीकाकरणऔर मरीजों सेजरूरी दूरी बनाकर क्वारांटाइन करें और ऐतिहातन जांच कराएं। मास्क पहनने और नियमित रूप से हाथ धोने जैसी बातों का पालनहो। भारत सतर्क है लेकिन ज्यादा कुछ कहने से गुरेज कर रहाहै। यह संक्रमण महामारी बनेगा या नहीं?यह भविष्य के गर्त में है। यह सही है कि पिछले दो-तीन माहों से भारत में बुखार का एक अजीब दौर दिख रहा है। जिसमें मरीज को पूरी तरह से ठीक होने में 10 से 15 दिन लगते हैं। ऊपर से पूरा शरीर टूटता है तथा जबरदस्त कमजोरी के साथ खांसी की शिकायत भी रहती है। चीन का रहस्यमय इन्फ्लूएंजा भीदूसरे लक्षणों कोजोड़ तेज बुखार और प्रभावितों कीसांस पर कोरोना सरीखे भारी पड़ रहा है।चिकित्सकभी सलाह देते हैं कि ऐसी कोई भी बीमारी या मिलते-जुलते लक्षण दिखें तो तुरंत जांच व परामर्श लिया जाए क्योंकि संक्रमण तेजी से फैलता है और संपर्कियों को भी बुरी तरह प्रभावित करता है। प्राय: वायरल या बैक्टीरियल संक्रमण बुखारपैदा करता है जो ठंड में या दूसरे मौसम में भी संभव है। इसमेंनाक बहना, खांसी, सांस की लघुता यानी शॉर्टनेस ऑफ ब्रीद(एसओबी), उल्टी और दस्त भी हो सकताहै। सभी मामलों में जरूरी नहीं कि यही लक्षण हों। इसके कई दूसरे कारण भी हो सकते हैं जैसे एडेनो वायरस, इन्फ्लूएंजा वायरस, एंटरोवायरस, राइनोवायरस और कोविड वायरस जैसे तमाम वायरस जिम्मेदार हैं।वहीं कुछ सामान्य से बैक्टीरिया और कुछ असामान्य बैक्टीरिया जैसे स्पाइरोकेट्स जिससे सिफलिस और लाइम रोग तो लेप्टोस्पाइरासे नाक, मुंह, आंखों में जानवरों के मल-मूत्र से दूषित पानी या मिट्टी के चोटिल त्वचा पर लगने से फैल कर जीवन-घातक बीमारियों में बदल जाता है।

संयुक्त राष्ट्र की स्वास्थ्य एजेंसी ने अजीब चीनी निमोनिया को लेकर तमाम मीडिया रिपोर्ट्स और ग्लोबल संक्रामक रोग मॉनिटरिंग सर्विस की रिपोर्टों का हवालादिया है। यह भी कहा है किये सभी सांस के संक्रमण के मामले नहीं हैं जो चिंताजनक है।वैज्ञानिक और रिसर्चरकड़ी निगरानी की बात कहते हैं। बीजिंगसे करीब 700 किलोमीटर दूर लिओनिंग में तेजी से फैल रही बीमारी बच्चों को निशाना बना रही है। हालात बेकाबू हैं।अस्पतालों में जगह नहीं है। स्कूलों बन्द हो चुके हैं। चीन कुबूलता तो है कि बीमारी बढ़ी है। लेकिन कोरोना के सरीखे रहस्यमयी चुप्पी साधे हुए है। बस इसी से दुनिया एक बार फिर चीन को शक की निगाह से देख रही है।

वहां कोरोना सरीखे पाबंदियां लग चुकी है। दुनिया दोबारा कोरोना महामारी के अटैक से डरी है। ऐसे में किसी बड़े खतरे और महामारी को टालने खातिर मास्क और प्रभावितों से दो गज की दूरी फिर जरूरी है तो क्या बुरा? कोरोना के दौरान और कोरोना के बाद के हालातों से दुनिया बड़ा सबक पहले ले चुकी है ऐसे में वैक्सीन से पहले ही आपसी समझ और परहेज से काबू हो जाए तो इससे बेहतर क्या हो सकता है?

विचार मंथन

भूतों से ज्यादा भय, अब ईड़ी के नोटिस का

(लेखक-सनत जैन)

केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की शक्तियों और कार्य प्रणाली को लेकर सुप्रीम कोर्ट में समीक्षा चल रही है। केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों द्वारा आरोप के आधार पर बड़े पैमाने पर नोटिस जारी किए जा रहे हैं। ईड़ी द्वारा जारी नोटिस पूर्णता-अस्पष्ट होते हैं। जिस तरह से लोग भूत का नाम सुनकर डरने लगते हैं। ठीक वही स्थिति आज ईड़ी की हो गई है। भूतों के चंगुल से झाड़ फूंक कर कर भले निजात मिल जाए। लेकिन ईड़ी के जाल में फंसे तो पूरा केरियर, मान प्रतिष्ठा ही बर्बाद हो जाती है। तमिलनाडु राज्य के 10 कलेक्टरों को ईड़ी द्वारा नोटिस जारी किए गए हैं। उसके खिलाफ हाईकोर्ट में 10 कलेक्टरों ने याचिका दायर की है। जिसमें ईड़ी द्वारा जारी किए गए नोटिस को चुनौती दी गई है। ईड़ी के अधिकारी इतने निरंकुश हो गए हैं, कि वह अपनी सीमा से परे जाकर नोटिस जारी कर लोगों को परेशान करने का कोई मौका नहीं छोड़ रहे हैं। अब तो ईड़ी के अधिकारियों द्वारा रिश्वत लिए जाने की शिकायतें भी बड़ी आम हो रही हैं। सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट द्वारा समय-समय पर सुनवाई के दौरान ईड़ी को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं, कि वह जो भी नोटिस जारी करते हैं। उसमें किस मामले में नोटिस जारी किया गया है। जिसे नोटिस जारी किया गया है, उसे गवाह की हैसियत से बुलाया जा रहा है, या आरोपी के रूप में बुलाया जा रहा है। किस मामले में उससे पूछताछ की जानी है। नोटिस में स्पष्ट उल्लेख करना चाहिए। इन निर्देशों का पालन भी ईड़ी के अधिकारी नहीं कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट द्वारा पिछली कई सुनवाई में कहा गया है, मनी लांड्रिंग के मामलों में ईड़ी को विशेष शक्तियां दी गई हैं। लेकिन देखा जा रहा है, कि ईड़ी उन मामलों में भी सीधे हस्तक्षेप कर रही है, जिनका मनी लांड्रिंग से कोई लेना देना नहीं है। सैया भये कोतवाल तो डर काहे का, की तर्ज पर चलते हुए ईड़ी के अधिकारी न्यायपालिका को भी नजर अंदाज करने का कोई मौका नहीं छोड़ते हैं। 18 अक्टूबर 2023 को सुप्रीम कोर्ट ने कहा था, कि वह पीएमएलए के प्रावधानों की समीक्षा करेगा। सुप्रीम कोर्ट में दाखिल सभी याचिकाओं पर सुनवाई की जाएगी। उस समय सुप्रीम कोर्ट से केंद्र सरकार द्वारा एक माह का समय मांगा गया था। समय देने से सुप्रीम कोर्ट ने इनकार कर दिया था। इस मामले की सुनवाई चल रही थी। ऐसे समय पर केंद्र सरकार ने एक बार फिर सुनवाई को टालने के लिए कहा, याचिकाकर्ताओं के संशोधनों का जवाब देने समय मांग लिया। केंद्र सरकार के यह कहे जाने के बाद फिर सुप्रीम कोर्ट को सुनवाई टालनी पड़ी। न्यायमूर्ति संजय किशन कोल अगले महीने रिटायर हो रहे हैं। जिसके कारण अब नई खंडपीठ इस मामले की सुनवाई करेगी।केंद्र सरकार इस मामले की सुनवाई नहीं कराना चाहती है, इसलिए तारीख पर तारीख, तारीख पर तारीख, तारीख पर तारीख,मांग रही है। बहरहाल ईड़ी द्वारा जिस तरह से नोटिस जारी किए जा रहे हैं। छापे डाले जा रहे हैं। आरोपियों की संपत्तियां जप्त की जा रही हैं।उससे ईड़ी का इतना भय बन गया है, कि हर आदमी ईड़ी के नोटिस और उससे बचना चाहता है। ईड़ी का जो भय बन गया है, उसको लेकर ईड़ी के अधिकारी अब रिश्वत की वसूली के काम में भी लग गए हैं। एक मामला तो खुद सीबीआई ने पकड़ा है। दूसरा मामला राजस्थान की पुलिस ने ईड़ी के अधिकारी को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। चुनाव के समय चुनाव वाले राज्यों में विपक्षी दलों के नेताओं, उनसे जुड़े हुए कारोबारी, अधिकारियों के यहां जिस तरह से नोटिस जारी कर उन्हें प्रताड़ित किया जा रहा है। इन सब मामलों में मनी लॉन्ड्रिंग से संबंधित कोई मामला ही नहीं होता है। भ्रष्टाचार या अनिमियता के आरोप में ईड़ी नोटिस जारी कर कार्रवाई शुरू कर देती है। मामले हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में जाने के बाद भी जिस तरह से न्यायपालिका हाथ भी पर हाथ बांधकर बैठी हुई है। उससे लोगों के मन में, निराशा का भाव है। सुप्रीमकोर्ट में सुनवाई के दौरान जब कोर्ट ने स्वयं कहा, कि मनीष सिसोदिया के ऊपर कोई सबूत, ईड़ी अभी तक कोर्ट के सामने पेश नहीं कर पाई। उसके बाद भी मनीष सिसोदिया को सुप्रीम कोर्ट ने जमानत न देकर,एक तरह से सरकार की इच्छा पूरी की है। सुप्रीम कोर्ट ने 6 माह में ट्रायल पूरा करने का आदेश देकर सरकारऔर ईड़ी के अधिकारियों की मदद ही की है। स्वतंत्रता का अधिकार मौलिक अधिकारों में शामिल है। अंग्रेजों के बने हुए कानून में भी 90 दिन के अंदर जांच अधिकारी को चार्जशीट कोर्ट में प्रस्तुत करनी होती थी। सारे सबूत अदालत में पेश करना होते थे। जांच एजेंसी यदि यह नहीं कर पाती थी, तो कोर्ट जेल में बंद आरोपी को सो मोटो जमानत देकर जेल से रिहा कर देती थी।

महेंद्र सिंह धोनी ने फिटनेस स्टार्टअप में किया निवेश

- फिटनेस स्टार्टअप तगड़े रहो की शुरुआत साल 2020 में ऋषभ मल्होत्रा ने की थी

नई दिल्ली । तगड़े रहो नामक स्टार्टे अप में भारतीय क्रिकेटर और आईसीसी विश्व कप विजेता कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने निवेश किया है। हालांकि कंपनी ने अभी कितना निवेश किया है, इसका खुलासा नहीं किया है। स्टार्टअप ने कहा कि इसका उद्देश्य फिटनेस के प्रति धोनी की प्रतिबद्धता के अनुरूप भारतीय भौतिक संस्कृति को पुनर्जीवित करना है। इसके अलावा कंपनी ने कहा की धोनी के साथ इस भागीदारी होने से तगड़े रहो का पूरे देश में विस्तार करने में मदद मिलेगी। तगड़े रहो की शुरुआत साल 2020 में ऋषभ मल्होत्रा द्वारा की गई थी। कंपनी ट्रेडिशनल इंडियन इक्विपमेंट को मॉडर्न ट्रेनिंग एप्लिकेशन के साथ मुहैया कराए जाते हैं, जैसे गदा, मुदगर, वज्र और सुमतोला। यह स्टार्टअप कंपनी अपनी वेबसाइट के जरिए भी ट्रेनिंग इक्विपमेंट को सेल करती है। ट्रेनिंग की बात करें तो यह स्टार्टअप बेंगलुरु में ट्रेनिंग देता है, जहां कंपनी ने एक डगआउट बनाया है। आसान भाषा में समझाएं तो डगआउट के जरिए लोगों को एक ही जगह पर कई तरह की ट्रेनिंग दी जाती है। साथ ही कई तरह के खेल भी होते हैं। अगले महीने कंपनी महाराष्ट्र में एक नया डगआउट खोलने की तैयारी कर रही है। कंपनी की योजना अगले साल तक देश के 4-5 राज्यों में अपने कारोबार को विस्तार करने का है। फिटनेस स्टार्टअप तगड़े रहो में निवेश को लेकर धोनी ने कहा कि फिटनेस मेरे जीवन का एक हिस्सा है और रही है; जब मैं छोटा था तब खेल खेलना शुरू कर दिया था और अब यह वर्कआउट को अपनी रोजमर्रा की दिनचर्या का हिस्सा बनाने के रूप में विकसित हो गया है। जब मुझे तगड़े रहो के बारे में पता चला तो कंपनी का कॉन्सेप्ट मुझे पसंद आया। उन्होंने कहा कि कंपनी इसमें इनोवेशन के तहत उस वर्कआउट को सामने लाने की कोशिश कर रही है, जिसे लोग भूल चुके हैं।

डिजिटल व्यापार के विकास को बढ़ावा देने के चीन के प्रयासों का दुनिया पर सकारात्मक प्रभाव : आईटीसी कार्यकारी निदेशक

बीजिंग। संयुक्त राष्ट्र और विश्व व्यापार संगठन की संयुक्त एजेंसी अंतर्राष्ट्रीय व्यापार केंद्र (आईटीसी) की कार्यकारी निदेशक पामेला कोक-हैमिल्टन ने हाल ही में कहा कि डिजिटल कनेक्टिविटी भविष्य के व्यापार में प्रमुख कारकों में से एक बन जाएगी।उन्होंने स्विट्जरलैंड के जिनेवा में चीनी समाचार एजेंसी शिनहुई को दिए एक लिखित साक्षात्कार में यह बात कही। गौरतलब है कि 23 से 27 नवंबर तक दूसरा वैश्विक डिजिटल व्यापार एक्सपो पूर्वी चीन के चच्यांग प्रांत की राजधानी हांगचो में आयोजित हो रहा है। कोक-हैमिल्टन ने कहा कि यह दूसरी बार है कि आईटीसी ने इस एक्सपो में भाग लिया। उम्मीद है कि डिजिटल कनेक्टिविटी को मजबूत कर विकासशील देशों में व्यापार को बढ़ावा दिया जाएगा। कोक-हैमिल्टन के विचार में डिजिटल अर्थव्यवस्था का चीन पर गहरा प्रभाव पड़ा है और लोगों की जीवनशैली बदल गई है। चीन में डिजिटल अर्थव्यवस्था सेवाओं को अधिक सुविधाजनक, विकल्पों को अधिक व्यापक और वस्तुओं को सस्ता बनाती है। कोक-हैमिल्टन ने यह भी कहा कि डिजिटल व्यापार के विकास ने व्यापार के नए अवसर पैदा किए हैं और डिजिटल व्यापार के विकास को बढ़ावा देने के चीन के प्रयासों का दुनिया, विशेषकर विकासशील देशों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। डिजिटल व्यापार के क्षेत्र में चीन का समृद्ध अनुभव अन्य विकासशील देशों में छोटे व्यवसायों के लिए संदर्भ और सहायता प्रदान कर सकता है।

ब्लैक फ्राइडे पर अमेरिकी ऑनलाइन बिक्री में रिकॉर्ड 9.8 बिलियन डॉलर की कमाई

सैन फ्रांसिस्को।

ब्लैक फाइडे ने अमेरिकी ऑनलाइन बिक्री में रिकॉर्ड 9.8 बिलियन डॉलर की कमाई की, जो एक साल पहले की तुलना में 7.5 प्रतिशत अधिक है। एडोब एनालिटिक्स के अनुसार, ऑनलाइन बिक्री में मोबाइल शॉपिंग का हिस्सा 5.3 बिलियन डॉलर का था। सीएनबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, ब्लैक फ्राइडे पर सबसे ज्यादा बिकने वाली कैटेगिरीज में स्मार्टवॉच और टेलीविजन जैसे इलेक्ट्रॉनिक्स, साथ ही खिलौने और गेमिंग थे। एडोब डिजिटल इनसाइट्स के प्रमुख विश्लेषक विवेक पंड्या के हवाले से कहा गया, हमने पिछले साल रणनीतिक उपभोक्ता को उभरते देखा है, जहां वे वास्तव में इन महत्वपूर्ण दिनों का लाभ उठाने की कोशिश कर रहे हैं, ताकि वे अधिकतम छूट प्राप्त कर सकें। पंड्या ने कहा कि प्रभावशाली लोगों और सोशल मीडिया विज्ञापनों ने उपभोक्ताओं के लिए अपने मोबाइल उपकरणों पर पैसा खर्च करना आसान बना दिया है।हालांकि, खरीददार कीमत के प्रति सचेत हैं और पिछले साल की रिकॉर्ड मुद्रास्फीति और ब्याज दरों के चलते सख्त बजट का प्रबंधन कर रहे हैं।कुल 79 मिलियन डॉलर की बिक्री उन उपभोक्ताओं से हुई, जिन्होंने बाय नाऊ, पे लेटर भुगतान पद्धति का उपयोग किया, जो पिछले साल से 47 प्रतिशत अधिक है।एडोब अमेरिका में खुदरा वेबसाइटों पर एक ट्रिलियन विजिट, 18 प्रोडक्ट कैटेगिरीज और 100 मिलियन यूनिक आइटम्स का विश्लेषण कर डेटा एकत्र करता है।ब्लैक फाइडे ने थैंक्सगिविंग डे से गति जारी रखी, जब ऑनलाइन बिक्री कुल 5.6 बिलियन डॉलर थी, जो पिछले वर्ष से 5.5 प्रतिशत की वृद्धि थी।एडोब को उम्मीद है कि वीकेंड और साइबर मंडे तक खर्च मजबूत रहेगा, और सबसे अच्छे डील्स अभी भी आने बाकी हैं।

पेट्रोल और डीजल नोएडा में सस्ता, पटना में महंगा

नई दिल्ली । कच्चे तेल में गिरावट के बीच देश में रविवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर बनी हुई हैं। ज्यादातर राज्यों व शहरों में ईंधन के दाम में कोई बड़ा अंतर नहीं आया है। हालांकि असम में 98.70 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। आंध्र प्रदेश में पेट्रोल 111.79 प्रति लीटर है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 111.35 रुपये और डीजल 97.28 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.65 रुपये और डीजल 89.82 रुपये प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.58 रुपये और डीजल 89.75 रुपये प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपये और डीजल 89.76 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.24 रुपये और डीजल 94.04 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

टाटा के आईपीओ ने तोड़ा एलआईसी का रिकॉर्ड

- सबसे ज्यादा बोली पाने वाला आईपीओ बना

नई दिल्ली । टाटा ग्रुप की इंजीनियरिंग कंपनी टाटा टेक्नोलॉजीज का आईपीओ बाजार में छा गया है। इस आईपीओ ने कई रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। 24 नवंबर को यह आईपीओ रिकॉर्ड 69.43 गुना अधिक सब्सक्रिप्शन के साथ बंद हुआ। एक रिपोर्ट के मुताबिक टाटा टेक आईपीओ के लिए कुल 73.5 लाख लोगों ने आवेदन किया। इसके साथ ही इसने एलआईसी के रिकॉर्ड को तोड़ दिया। बता दें कि एलआईसी के आईपीओ को लगभग 73.38 लाख आवेदन मिले थे। यह टाटा ग्रुप की किसी कंपनी का अब तक का सबसे अच्छा आईपीओ प्रदर्शन भी है। टाटा ग्रुप का अब तक का सबसे सफल आईपीओ टीसीएस का था, जो इसने 19 साल पहले 2004 में लॉन्च किया था। टीसीएस के आईपीओ को 775-900 रुपये प्रति शेयर के प्राइस बैंड के साथ लॉन्च किया गया था। टीसीएस के शेयर 25 अगस्त, 2004 को 26.6 फीसदी प्रीमियम के साथ 1,076 रुपये प्रति शेयर के भाव पर लिस्ट हुए थे। टाटा टेक्नोलॉजीज के आईपीओ को इश्यू के अंतिम दिन शुक्रवार को 69.43 गुना सब्सक्रिप्शन मिला। करीब दो दशक में टाटा ग्रुप की किसी कंपनी का यह पहला आईपीओ है। इश्यू खुलने से पहले कंपनी ने एंकर निवेशकों से 791 करोड़ रुपये जुटाए थे। टाटा टेक का आईपीओ 22 नवंबर को खुला था. बोली खुलने के करीब एक घंटे के अंदर ही यह आईपीओ पूरी तरह सब्सक्राइब हो गया था। आईपीओ के लिए प्राइस बैंड 475-500 रुपये प्रति शेयर तय किया गया था। कंपनी के शेयर 5 दिसंबर को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्ट होने की उम्मीद है।

वैश्विक रुख से तय होगी बाजार की चाल

- कच्चा तेल और डॉलर के मुकाबले रुपए की स्थिति भी बाजार की चाल को प्रभावित करेगी

मुंबई ।

विश्लेषकों का कहना है कि इस सप्ताह घरेलू स्तर पर किसी बड़े घटनाक्रम की गैर मौजूदगी में शेयर बाजार की चाल काफी हद तक वैश्विक रुझानों से ही तय होगी। विश्लेषकों के मुताबिक, विदेशी निवेशकों की कारोबारी गतिविधियों, वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल के दाम और अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये की स्थिति भी घरेलू शेयर बाजारों की चाल को प्रभावित करेगी। एक बाजार विश्लेषक ने कहा कि स्पष्ट वैश्विक संकेतों के अभाव में बाजार का रुख मजबूती की उम्मीद में संभवतः अमेरिकी बॉन्ड के प्रतिफल, डॉलर सूचकांक और कच्चे तेल की कीमतों के साथ-साथ संस्थागत निवेश पर निर्भर करेगा। उन्होंने कहा कि पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव खत्म होने तक बाजार की स्थिरता प्रभावित हो सकती है और उस समय तक बाजार का एक स्पष्ट रुझान सामने आ सकता है। अगस्त से ही विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) बड़े पैमाने पर भारतीय बाजारों से पूंजी की निकासी कर रहे हैं। अगस्त से लेकर 15 नवंबर तक एफपीआई ने कुल मिलाकर 83,422 करोड़ रुपये के शेयरों की बिकवाली की है। हालांकि इस अवधि में घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 77,995 करोड़ रुपये के शेयरों की खरीदारी की। डीआईआई के साथ व्यक्तिगत निवेशकों की खरीदारी ने एफपीआई की बिक्री को पूरी तरह से बेअसर कर दिया। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि डीआईआई और व्यक्तिगत निवेशकों की लिवाली का ही असर है कि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का सूचकांक निफ्टी एक बार फिर 19,700 के

आसपास मौजूद है, जहां वह अगस्त की शुरुआत में था। बाजार वैश्विक और घरेलू व्यापक-आर्थिक आंकड़ों, अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल, कच्चे तेल के भंडारण, एफआईआई एवं डीआईआई के निवेश रुझान और डॉलर के मुकाबले रुपये की चाल पर ध्यान केंद्रित करेगा। वैश्विक संकेत काफी हद तक इस प्रवृत्ति को तय कर रहे हैं और हमें उम्मीद है कि यह प्रवृत्ति आने वाले सप्ताह में भी जारी रहेगी।

शादी के मौसम की शुरुआत के साथ आभूषण, परिधान, होटल, विमानन जैसे क्षेत्रों में दिखेगी तेजी

नई दिल्ली।

शादी के मौसम की शुरुआत के साथ, आभूषण, परिधान, होटल, विमानन और अन्य संबंधित उद्योगों जैसे क्षेत्रों में तेजी आने की संभावना है। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के रिटेल रिसर्च प्रमुख सिद्धार्थ खेमका ने कहा, अगले सप्ताह हमें बाजार में कुछ तेजी लौटने की उम्मीद है क्योंकि निवेशक अमेरिका, चीन और भारत के जीडीपी आंकड़ों सहित विभिन्न आर्थिक आंकड़ों पर नजर रखे हुए हैं। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि घरेलू सूचकांक पूरे सप्ताह सकारात्मक रुख के साथ एक सीमित दायरे में रहे। फेड रिजर्व ने सतर्क रुख अपनाया और यूरोपीय और जर्मन बाजारों में नरम रुख का असर घरेलू बाजारों पर भी

पड़ा। मुद्रास्फीति में गिरावट और अमेरिका में नौकरी के हालिया कमजोर आंकड़ों के साथ-साथ अमेरिकी बांड पर ब्याज में कमी ने विदेशी फंडों को उभरते बाजार की ओर आकर्षित किया है। व्यापक भारतीय बाजार में कुछ मुनाफावसूली हुई है। निवेशकों का ध्यान प्राथमिक बाजार की ओर स्थानांतरित हो गया, जो सप्ताह के लिए निर्धारित आईपीओ के एक सेट द्वारा चिह्नित है। त्योहारी मांग में जोरदार उछाल के कारण टिकाऊ उपभोक्ता सामान और रियल्टी जैसे क्षेत्रों ने बढ़त हासिल की। हालाँकि, कमजोर वैश्विक आंकड़ों के जवाब में आईटी क्षेत्र ने कमजोर प्रदर्शन दिखाया। उन्होंने कहा कि एनबीएफसी द्वारा असुरक्षित ऋण देने की आरबीआई की जांच के बावजूद, बैंकिंग सूचकांक ने इस सप्ताह लचीलापन दिखाया।

राजस्व में गिरावट, अन्य कारणों से पूंजीगत व्यय के लक्ष्य से चूक सकते हैं राज्यः रिपोर्ट

मुंबईः राजस्व में गिरावट, चुनाव और कई अन्य कारणों से राज्य चालू वित्त वर्ष के लिए अपने पूंजीगत व्यय के लक्ष्य से चूक सकते हैं। इक्रा रेटिंग्स की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा कि राजस्व प्राप्तियों में भारी गिरावट से राज्य के पूंजीगत व्यय में बड़ी कमी आएगी। राज्यों का पूंजीगत व्यय वित्त वर्ष 2023-24 की पहली छमाही में रिकॉर्ड 35 प्रतिशत तक बढ़ गया। नायर ने कहा कि अपने बजट अनुमानों को बनाए रखने के लिए 21 राज्यों को यह सुनिश्चित करना होगा कि दूसरी छमाही में पूंजीगत व्यय की दर 28 प्रतिशत पर बनी रहे। उन्होंने कहा कि हालांकि आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद यह संभव नहीं है। नायर ने कहा कि आम चुनाव से पहले मार्च तिमाही में आदर्श आचार संहिता के प्रभावी होने की संभावना है। पूंजीगत व्यय तथा अन्य व्यापक आंकड़ों की उपलब्धता के आधार पर इन 21 राज्यों को विश्लेषण में शामिल किया गया। इन 21 राज्यों का संयुक्त राजस्व और राजकोषीय घाटा अप्रैल-सितंबर के दौरान क्रमशः 70,000 करोड़ रुपए और 3.5 लाख करोड़ रुपए तक बढ़ा है।

बिक्री बढ़ाने के लिए टेस्ला ने 6 महीने तक मुफ्त सुपरचार्जिंग की पेशकश की

सैन फ्रांसिस्को।

एलन मस्क द्वारा संचालित टेस्ला साल के अंत तक उत्तरी अमेरिका में नए मॉडल 3 और मॉडल वाई ऑर्डर के लिए छह महीने की मुफ्त सुपरचार्जिंग की पेशकश कर रही है। कंपनी ने पहले ही नई वाहन सूची पर 3,000 डॉलर तक की छूट दे दी है, और अब नए खरीददारों के लिए मुफ्त सुपरचार्जिंग की पेशकश कर रही है।यह खबर सबसे पहले इलेक्ट्रेक द्वारा रिपोर्ट की गई।कंपनी की वेबसाइट के अनुसार, अगर उपभोक्ता 31 दिसंबर, 2023 तक मॉडल 3 या मॉडल वाई खरीदते हैं और डिलीवरी लेते हैं तो उन्हें छह महीने की मुफ्त सुपरचार्जिंग मिल सकती है। ऑफर में लिखा है, एक नया मॉडल 3 ऑर्डर करें और 31 दिसंबर, 2023 तक डिलीवरी लें, ताकि आप 6 महीने की मुफ्त सुपरचार्जिंग के लिए पात्र हो सकें।हालांकि, यह ऑफर कुछ शर्तों के साथ है, जिसमें एक है कि ज्यादा चार्जिंग करने पर टेस्ला आपका ये ऑफर वापस ले सकता है।अत्यधिक चार्जिंग की स्थिति में टेस्ला अपने विवेक से आपके वाहन से मुफ्त सुपरचार्जिंग को हटाने का अधिकार सुरक्षित रखता है।इस बीच, एक नई रिपोर्ट से पता चला है कि टेस्ला वाहनों ने इस साल के पहले नौ महीनों में अमेरिकी इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) पंजीकरण में महत्वपूर्ण अंतर से बढ़त हासिल की है। एक्सपेरियन के वाहन पंजीकरण डेटा के अनुसार, टेस्ला मॉडल वाई और मॉडल 3 जनवरी और सितंबर के बीच

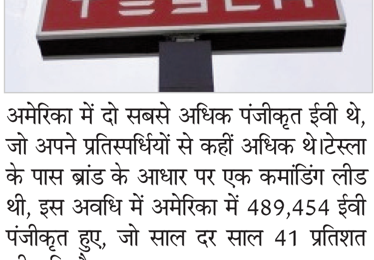

अमेरिका में दो सबसे अधिक पंजीकृत ईवी थे, जो अपने प्रतिस्पर्धियों से कहीं अधिक थे।टेस्ला के पास ब्रांड के आधार पर एक कमांडिंग लीड थी, इस अवधि में अमेरिका में 489,454 ईवी पंजीकृत हुए, जो साल दर साल 41 प्रतिशत की वृद्धि है।

मस्क के ब्रेन इम्प्लांट स्टार्टअप ने जुटाए अतिरिक्त 43 मिलियन डॉलर

सैन फांसिस्को।

अमेरिकी प्रतिभूति और विनिमय आयोग (एसईसी) के साथ एक फाइलिंग के अनुसार, एलन मस्क के स्वामित्व वाली ब्रेन-कंप्यूटर इंटरफ़ेस कंपनी न्यूरालिंक ने अतिरिक्त 43 मिलियन डॉलर जुटाए हैं। ।टेकक्रंच की रिपोर्ट के अनुसार, फाइलिंग से पता चला है कि कंपनी ने अगस्त की शुरुआत में पीटर थिएल के फाउंडर्स फंड के नेतृत्व में अपनी पिछली किश्त को 280 मिलियन डॉलर से बढ़ाकर 323 मिलियन डॉलर कर दिया था। फाइलिंग के अनुसार, 32 निवेशकों ने इस राउंड में भाग लिया। न्यूरालिंक ने अपने मूल्यांकन का खुलासा नहीं किया है। लेकिन, जून में रिपोर्ट में कहा गया था कि निजी तौर पर निष्पादित स्टॉक ट्रेडों के बाद कंपनी का मूल्य लगभग 5 बिलियन डॉलर था। न्यूरालिंक, जिसे 2016 में स्थापित किया गया था, ने एक सिलाई मशीन जैसा रोबोट बनाया। यह मस्तिष्क के अंदर अति पतले धागे को प्रत्यारोपित करने में सक्षम है। धागे इलेक्ट्रोड के साथ एक कस्टम-डिजाइन किए गए चिप से जुड़ते हैं जो न्यूरॉन्स ग्रुप्स से डेटा पढ़ सकते हैं। सितंबर में, न्यूरालिंक ने कहा कि वह पैरालिसिस कंट्रोल डिवाइस वाले लोगों की मदद के लिए मानव परीक्षणों के लिए अपने पहले परीक्षण विषयों की भर्ती कर रहा है। कंपनी ने एक बयान में कहा, पीआरआईएमई स्टडी (शॉर्ट फॉर प्रीसाइस रोबॉर्टिकल इम्प्लांट ब्रेन-कंप्यूटर इंटरफेस) का उद्देश्य

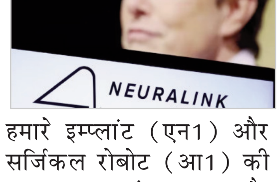

हमारे इम्प्लांट (एन1) और सर्जिकल रोबोट (आ1) की सुरक्षा का मूल्यांकन करना और पक्षाघात से पीड़ित लोगों को अपने विचारों से बाहरी उपकरणों को नियंत्रित करने में सक्षम बनाने के लिए हमारे वायरलेस ब्रेन-कंप्यूटर इंटरफ़ेस की प्रारंभिक कार्यक्षमता का आकलन करना है।

धन जुटाने के लिए एनपीओ के लिए बड़ा बाजार

नई दिल्ली।

भारतीय बाजार में एनपीओ के काम करने के तरीके में भारी परिवर्तन हो रहा है। एमएमजेसी एंड एसोसिएट्स के संस्थापक मकरंद एम जोशी ने कहा है कि यह केवल यह सत्यापित करने के बारे में नहीं है कि इसका उपयोग क्या इस उद्देश्य के लिए किया गया था, बल्कि इससे भी अधिक महत्वपूर्ण बात ये है कि क्या इससे गैर-लाभकारी संगठनों (एनपीओ) द्वारा किए गए हस्तक्षेप के बाद वंचितों या लाभार्थियों पर कोई प्रभाव पड़ा? सेबी बोर्ड की बैठक में हाल ही में सामाजिक लेखा परीक्षक को सामाजिक प्रभाव मूल्यांकनकर्ता में बदलने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। सेबी बोर्ड द्वारा सोशल स्टॉक एक्सचेंज पर न्यूनतम आवेदन आकार और न्यूनतम इश्यू आकार में कमी को मंजूरी देने पर जोशी ने कहा कि इंडियन कॉरपोरेशंस पहले ही सीएसआर पर 25,000-30,000 करोड़ रुपये खर्च कर चुके हैं। इसलिए एनपीओ के लिए धन जुटाने का एक बड़ा बाजार है। तो यह उन लोगों के लिए एक अवसर है जो सामाजिक कार्य करना चाहते हैं और प्रभाव डालना चाहते हैं। अच्छे कार्यों के लिए धन की कोई कमी नहीं है। सेबी बोर्ड ने सोशल

स्टॉक एक्सचेंज पर एनपीओ द्वारा धन जुटाने को प्रोत्साहन देने के उपायों को मंजूरी दे दी। इसमें एसएसई पर एनपीओ द्वारा जीरो कूपन जीरो प्रिंसिपल इंस्ट्रूमेंट्स (जेडसीजेडपी) के पब्लिक इशू के मामले में न्यूनतम इश्यू आकार को 1 करोड़ रुपये से घटाकर 50 लाख रुपये करना शामिल है।एसएसई पर एनपीओ द्वारा जेडसीजेडपी के पब्लिक इशू के मामले में न्यूनतम आवेदन आकार को 2 लाख रुपये से घटाकर 10,000 रुपये कर दिया गया है, जिससे खुदरा समेत ग्राहकों की व्यापक भागीदारी संभव हो सकेगी। इसने एनपीओ को सुविधा प्रदान करने और सामाजिक क्षेत्र के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण व्यक्त करने के लिए सामाजिक प्रभाव मूल्यांकनकर्ता के साथ सामाजिक लेखा परीक्षक के नामकरण को बदलने को भी मंजूरी दे दी।

चीन अंतर्राष्ट्रीय आपूर्ति श्रृंखला संवर्धन मेला आर्थिक वैश्वीकरण बढ़ाएगा

बीजिंग।

प्रथम चीन अंतर्राष्ट्रीय आपूर्ति श्रृंखला संवर्धन मेला 28 नवंबर से 2 दिसंबर तक चीन की राजधानी पेइचिंग में स्थित चीन अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी केंद्र में होने वाला है। इस मेले की थीम ÷दुनिया को जोड़ें और एक साथ भविष्य बनाएं÷ है, और इसमें स्मार्ट कार श्रृंखला, हरित कृषि श्रृंखला, स्वच्छ ऊर्जा श्रृंखला, डिजिटल प्रौद्योगिकी श्रृंखला, स्वस्थ जीवन श्रृंखला और आपूर्ति श्रृंखला को समर्पित प्रदर्शनी क्षेत्र शामिल होंगे।विश्व इस समय महत्वपूर्ण परिवर्तनों के दौर से गुजर रहा है। कोविड-19 महामारी के चल रहे प्रभाव ने वैश्विक आर्थिक सुधार को चुनौतीपूर्ण बना दिया है, जिससे वैश्विक औद्योगिक और आपूर्ति श्रृंखलाओं के पुनर्गठन में तेजी आई है। दुनिया भर के देश अपनी औद्योगिक और आपूर्ति श्रृंखलाओं की स्थिरता को प्राथमिकता दे रहे हैं, क्योंकि ये श्रृंखलाएं न केवल विभिन्न अर्थव्यवस्थाओं को जोड़ती हैं बल्कि वैश्विक उद्यमों के लिए पूंजी, प्रौद्योगिकी और औद्योगिक गतिविधियों के प्रवाह को भी सुविधाजनक बनाती हैं। एक स्थिर, सुरक्षित और कुशल वैश्विक

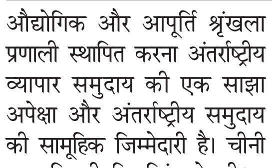

औद्योगिक और आपूर्ति श्रृंखला प्रणाली स्थापित करना अंतर्राष्ट्रीय व्यापार समुदाय की एक साझा अपेक्षा और अंतर्राष्ट्रीय समुदाय की सामूहिक जिम्मेदारी है। चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने जी20 शिखर सम्मेलन, एपेक नेताओं की अनौपचारिक बैठक और ब्रिक्स शिखर सम्मेलन जैसे विभिन्न अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों और विदेशी नेताओं के साथ बैठकों में वैश्विक औद्योगिक और आपूर्ति श्रृंखला प्रणाली की स्थिरता बनाए रखने के महत्व पर लगातार जोर दिया है। चीन आर्थिक वैश्वीकरण का समर्थन करने और खुली दुनिया में आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। अंतर्राष्ट्रीय आपूर्ति श्रृंखला संवर्धन मेले का आयोजन देशों को चीन के साथ आर्थिक और व्यापार सहयोग बढ़ाने के नए अवसर प्रदान करेगा, जिससे आपसी सहयोग के लिए एक मंच तैयार होगा। मेले का उद्देश्य व्यापार और निवेश को सुविधाजनक बनाना है, साथ ही वैश्विक आर्थिक सुधार और आर्थिक वैश्वीकरण को आगे बढ़ाना है।

आईपीएल 2024 रिटेंशनः पंत, वार्नर, शॉ और अक्षर को दिल्ली ने किया रिटेन

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स ने रविवार को आईपीएल 2024 रिटेंशन डे पर ऋषभ पंत, डेविड वार्नर, पृथ्वी शॉ, अक्षर पटेल और मिचेल मार्श को रिटेन किया है। जबकि, फ्रेंचाइजी ने रोवमैन पॉवेल, सरफराज खान और मुस्तफिजुर रहमान समेत 11 खिलाड़ियों को रिलीज कर दिया है। आईपीएल 2023 में बल्ले से खराब प्रदर्शन के बाद पृथ्वी शॉ को दिल्ली कैपिटल्स रिटेन करेगी या नहीं, इस पर कुछ अटकलें थीं। लेकिन फ्रेंचाइजी ने उन्हें बरकरार रखा है। जबकि मनीष पांडे, सरफराज खान, चेतन सकारिया, रिपल पटेल, कमलेश नागरकोटी और अमन खान को रिलीज कर दिया गया है। डीसी द्वारा जारी किए गए हाई-प्रोफाइल खिलाड़ियों में पॉवेल का नाम रहमान और रिले रोसौव के साथ सबसे ऊपर है। अगले महीने दुबई में होने वाली आईपीएल नीलामी से पहले, डीसी के पास अब 28.95 करोड़ रुपये का पर्स है। उनके पास टीम में नौ स्थान शेष हैं, जिनमें से पांच विदेशी हैं। **रिटेन किए गए खिलाड़ीः** ऋषभ पंत, प्रवीण दुबे, डेविड वार्नर, विक्की ओस्टवाल, पृथ्वी शॉ, एनरिक नॉर्टजे, अभिषेक पोरेल, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल, लुंगी एनगिडी, ललित यादव, खलील अहमद, मिचेल मार्श, ईशांत शर्मा, यश ढुल और मुकेश कुमार। **रिलीज किए गए खिलाड़ीः** रोवमैन पॉवेल, रिले रोसौव, मनीष पांडे, सरफराज खान, फिल साल्ट, मुस्तफिजुर रहमान, कमलेश नागरकोटी, रिपल पटेल, अमन खान, प्रियम गर्ग और चेतन सकारिया।

7वीं एलीट पुरुष राष्ट्रीय मुक्केबाजी में संजीत, वरिंदर की शानदार शुरुआत

नई दिल्ली :

एशियाई चैंपियनशिप 2021 के स्वर्ण पदक विजेता संजीत (92 किग्रा) और 3 बार के राष्ट्रीय चैंपियन वरिंदर सिंह (60 किग्रा) ने अपने 7वें एलीट पुरुष राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप अभियान की विजयी शुरुआत करने के लिए पहले दिन शानदार प्रदर्शन किया।एसएससीबी का प्रतिनिधित्व कर रहे संजीत का मुकाबला कर्नाटक के जगदीश्वरन जे. से था, जिन्होंने पहले दौर में ही अपने प्रतिद्वंद्वी को हराने के लिए अपने अनुभव का इस्तेमाल किया। उनके आक्रामक रवैये और जोरदार मुक्कों को संभालना जगदीश्वरन के लिए बहुत मुश्किल था। इस तरह उनके नाम एक आसान जीत रही। अब मंगलवार को राउंड 16 के मुकाबले में संजीत का मुकाबला चंडीगढ़ के सावन गिल से होगा।वरिंदर, जो आरएसपीबी (रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड) के लिए खेल रहे हैं। उन्होंने बिहार के अमलेश कुमार के खिलाफ सावधानी से मुकाबला शुरू किया और शुरुआती मिनटों में अपने प्रतिद्वंद्वी का परीक्षण किया। उन्होंने पहले राउंड को समाप्त करने के लिए कुछ जवाबी हमले किए। अपने पहले दो राउंड के कारनामों से आत्मविश्वास से भरे वरिंदर ने 5-0 से आसान जीत हासिल की। वरिंदर अब रविवार को राउंड 32 के मुकाबले में महाराष्ट्र के विशाल नुपे से भिड़ेंगे। पुरुष विश्व चैंपियनशिप 2023 में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले राजस्थान के हर्ष चौधरी (80 किग्रा) ने अपने टूर्नामेंट के उद्घाटन मैच में उत्तर प्रदेश के शिवम सैनी का सामना किया। उन्होंने अपने त्वरित क्षणों, ताकत और सटीक मुक्कों से अपने प्रतिद्वंद्वी को आसानी से हराया। हर्ष ने यह मुकाबला 5-0 से जीता। अब मंगलवार को राउंड-16 के मुकाबले में उनका मुकाबला जम्मू-कश्मीर के चंद्र देव सिंह से होगा। पंजाब के जशनप्रीत सिंह (71 किग्रा) ने गुजरात के मोहम्मद मोइन शेख के खिलाफ दूसरे दौर में केओ (नॉकआउट) के साथ मुकाबला समाप्त होने के साथ शानदार जीत दर्ज की।छह बार के एशियाई पदक विजेता शिव

थापा (63.5 किग्रा) जो असम का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, अपने पहले दौर में बाई मिलने के बाद 32 चरण के दौर से अपना अभियान शुरू करेंगे। सोमवार को उनका मुकाबला हिमाचल प्रदेश के अभिनाश जामवाल से होगा। इसी तरह विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता अमित पंघाल (51 किग्रा) जो एसएससीबी का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, सोमवार को राउंड 32 के मुकाबले में महाराष्ट्र के शिवाजी के खिलाफ उतरेंगे।चैंपियनशिप में 13 भार वर्गों में कुल 350 से अधिक मुक्केबाज भाग ले रहे हैं।

लखनऊ सुपर जाइंट्स में गौतम गंभीर की जगह ले सकते हैं राहुल द्रविड़

नई दिल्ली ।

लखनऊ सुपर जाइंट्स में गौतम गंभीर की जगह राहुल द्रविड़ ले सकते हैं। क्यों कि अब उनका मुख्य कोच का कार्यकाल शत्म हो गया है, ऐसे में वह कुछ बेहतर करने की सोच रहे हैं। सूत्रों की मानें तो टीम इंडिया के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ बेंगलुरु में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में वापसी के बारे में सोच रहे हैं, जिसके वर्तमान प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण टीम इंडिया में द्रविड़ की जगह लेंगे। हालांकि, आगामी सीजन से पहले द्रविड़ के आईपीएल फ्रेंचाइजी में से एक में शामिल होने की खबरें हैं। माना जा रहा है कि अगर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड उन्हें नया अनुबंध नहीं देता है, तो वह बतौर सलाहकार लखनऊ सुपर जाइंट्स से जुड़ सकते हैं। जानकारी` मिली है` कि गौतम गंभीर जोकि लखनऊ के सलाहकार थे, इस पद को छोड़कर आगामी सीजन के लिए कोलकाता नाइट राइडर्स से जुड़ गए हैं। उनके खाली पद पर संभवतः राहुल द्रविड़ आ सकते हैं।

हालांकि राजस्थान रॉयल्स भी अपने पूर्व खिलाड़ी

द्रविड़ को वापस लाने की संभावना तलाश रही है लेकिन लखनऊ का प्रस्ताव बड़ा है। वह गंभीर की जगह किसी बड़े क्रिकेटर को ही अपनी टीम का सलाहकार बनाना चाहेगी। गौरतलब है कि राहुल द्रविड़ बतौर कोच अपनी टीम को आईसीसी टूर्नामेंट में जीत नहीं दिला पाए हैं। आईसीसी टी20 विश्व कप 2022 के सेमीफाइनल में टीम इंडिया इंग्लैंड से हार गई थी जबकि विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को हरा दिया था। इसी तरह 19 नवंबर को नरेंद्र मोदी स्टेडियम में हुए आईसीसी विश्व कप 2023 के फाइनल में भी ऑस्ट्रेलिया ने भारत को हरा दिया था।

चाइना मास्टर्स 2023: सात्विकसाईराज और चिराग खिताब से चूके

नई दिल्ली। भारत की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी रविवार को शेनझेन में चीन मास्टर्स 2023 में घरेलू पसंदीदा लियांग वेई केंग और वांग चांग के खिलाफ हारकर उपविजेता रहे।रोमांचक मुकाबले में यह जोड़ी 19-21, 21-18, 19-21 से हार गई। इससे पहले, सात्विकसाईराज और चिराग ने सेमीफाइनल में घरेलू पसंदीदा हे जी टिंग/रेन जियांग यू को 21-16, 22-20 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया था।

गौतम गंभीर ने टी20 के लिए रोहित शर्मा को चुना भारतीय टीम का कप्तान

-पिछले साल से भारतीय टीम की कमान संभाल रहे हार्दिक पंड्या को लगा जोरदार झटका

नई दिल्ली ।

भारतीय टीम के पूर्व ओपनर गौतम गंभीर ने अगले साल होने वाले टी20 वर्ल्ड कप के लिए भारतीय टीम के कप्तान के लिए रोहित शर्मा को सजेस्ट किया है। उन्होंने जैसे ही अपनी पसंद बताई तो पिछले एक साल से भारतीय टीम की कमान संभाल रहे हार्दिक पंड्या को जोरदार झटका लगा है। गौतम गंभीर ने कहा कि रोहित शर्मा को ही अगले साल टी20 वर्ल्ड कप में भारतीय टीम का कप्तान बने रहना चाहिए। हालांकि गौतम गंभीर ने मी डिया से बातचीत में ध्यान दिलाया कि भले ही हार्दिक पांड्या पिछले साल से भारतीय टी20 टीम की कमान संभाल रहे हो, लेकिन वेस्टइंडीज और अमेरिका की संयुक्त मेजबानी में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप में रोहित शर्मा को कप् तानी करनी चाहिए। गंभीर ने साथ ही कहा कि टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए रोहित शर्मा और विराट कोहली दोनों को भारतीय टीम में चुना जाना चाहिए। मैं चाहता हूं कि टी20 वर्ल ्ड कप में रोहित शर्मा भारतीय टीम की कप् तानी करते हुए नजर आएं। हार्दिक पांड्या ने भले ही टी20 इंटरनेशनल मैचो में कप्तानी की, लेकिन मैं अब भी चाहता हूं कि टी20 वर्ल्ड कप में रोहित शर्मा की कप्तानी करें। गौतम ने कहा कि वनडे वर्ल्ड कप में रोहित शर्मा ने दिखाया कि वो बल्लेबाजी में क्या कर सकते हैं। अगर रोहित शर्मा का चयन होता है तो विराट कोहली को अपने आप ही

चुना जाएगा। अगर रोहित शर्मा टी20 वर्ल्ड कप खेलने का फैसला लेते हैं तो उन्हें कप्तान के रूप में चुना जाना चाहिए न कि केवल बल्लेबाज के रूप में। बता दें कि रोहित शर्मा के सफेद गेंद भविष्य पर फैसला लेने की खबरें जोरों पर हैं और इस बीच गंभीर के इस बयान से भारतीय कप्तान को निश्चित ही बल मिलेगा। देखना दिलचस्प होगा कि रोहित शर्मा आगामी वर्ल्ड कप में हिस्सा लेंगे या नहीं। बहरहाल, भारतीय टीम इस समय ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच टी20 इंटरनेशनल मैचों की सीरीज में व्यस्त हैं। सूर्यकुमार यादव भारतीय टीम की कमान संभाल रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

धोनी की कप्तानी में कई प्रतिभाओं को निखरने का मिला मौका : अंबाती रायुडू

(एजेंसी)

भारत के पूर्व बल्लेबाज अंबाती रायुडू ने कहा है कि महेन्द्र सिंह धोनी ही ऐसे कप्तान रहे हैं, जिन्होंने अनेक नई प्रे तिभाओं को निखरने का मौका दिया। उन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के कप्तान एमएस धोनी की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने विदेशी खिलाड़ियों सहित कई क्रिकेटरों से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कराया है। रायुडू ने कहा कि पूर्व भारतीय कप्तान ने अपने शानदार करियर के दौरान कई क्रिकेट प्रतिभाओं को निखारा और उनका मार्गदर्शन किया। मैच के नतीजों से पता चलता है कि खेल में धोनी के फैसले ज्यादातर समय सही थे। 38 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा कि अब कोई भी चेन्नई के कप्तान के फैसलों पर सवाल नहीं उठा सकता क्योंकि वह खेल में इतने सफल रहे हैं। रायुडू ने कहा कि हर कोई जानता है कि उसने कई खिलाड़ियों और सभी प्रारूपों में सर्वश्रेष्ठ में से सर्वश्रेष्ठ निकाला है। यहां तक कि वह विदेशी प्लेयरों से भी सर्वश्रेष्ठ निकालने में माहिर है। मुझे लगता है कि यह उसमें है। रायुडू ने कहा कि हालांकि कुछ मौकों पर मुझे थोड़ा आश्चर्य जरूर होता है लेकिन दिन के अंत में आए नतीजों से पता चलता है कि वह 99।9 प्रतिशत सही थ। इससे पता चलता है कि वह जानता है कि वह क्या कर रहा है और उसने इसे इतने लंबे समय तक और इतनी सफलतापूर्वक इसे किया है कि मुझे नहीं लगता कि कोई भी भारतीय क्रिकेटर उनके करीब है। भारत के पूर्व बल्लेबाज ने ड्रेसिंग रूम में धोनी के व्यवहार पर कहा कि वह हमारे नेता हैं। वह सिर्फ चिल्लाने के लिए नहीं चिल्लाते। बल्कि वह सूक्ष्मता से बताते हैं कि करना क्या है। बता दें कि आईपीएल 2023 में एमएस धोनी ने रिकॉर्ड 5वीं बार ट्रॉफी हो सिल की थी।

राहुल का आउट होना भारत के लिए सबसे बड़ा झटका था : इरफान पठान

नई दिल्ली। भारत के बाएं हाथ के पूर्व तेज गेंदबाज इरफान पठान का मानना है कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व कप फाइनल में विकेटकीपर-बल्लेबाज केएल राहुल के आउट होने का मतलब था कि मेजबान टीम आगे नहीं बढ़ पाएगी। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में 92,453 की भीड़ के सामने राहुल ने सर्वाधिक 66 रन बनाए। लेकिन, उन्होंने 107 गेंदें खेलीं और केवल एक बार बाउंड्री लगाने में सफल रहे क्योंकि ऑस्ट्रेलिया के गेंदबाजों ने उन पर और विराट कोहली पर कड़ी पकड़ बनाए रखी। इसका नतीजा रहा कि यह जोड़ी कभी भी गति नहीं पकड़ पाई और भारत ने मात्र 240 रन बनाए। जिसे ऑस्ट्रेलिया ने ट्रैविस हेड के 137 और मार्नस लाबुशेन के नाबाद 58 रनों की बदौलत 43 ओवर में हासिल कर लिया। इस जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया ने अपना छठा विश्व कप खिताब जीता।इरफान पठान ने कहा, यह कठिन था क्योंकि भारतीय टीम पीछे की ओर देख रही थी। वो जडेजा और सूर्यकुमार यादव से अंतिम ओवरों में उम्मीद लगा रही थी। जब केएल राहुल आउट हुए तो मुझे लगता है कि यही वह समय था जब भारत स्कोर में ज्यादा आगे नहीं बढ़ सकता था।पठान ने स्टार स्पोर्ट्स से कहा, जब उन्हें पता चला कि कोई कवर नहीं है, कोई मिड-ऑफ नहीं है।

वसीम अकरम ने बताया वर्ल्ड कप फाइनल में टीम इंडिया की हार का कारण

मुंबई ।

पाकिस्तानी क्रिकेटर वसीम अकरम ने वर्ल्ड कप में भारत की हार का कारण बताया है। वसीम का मानना है कि भारत के पुछल्ले खिलाड़ियों की लंबी सूची होने से केएल राहुल बेखौफ बल्लेबाजी नहीं कर सका और विश्व कप फाइनल में भारत की हार का यह भी एक कारण रहा। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने 50 ओवर में 240 रन बनाये जिसमें राहुल ने 107 गेंद में 66 रन बनाये जिसमें एक ही चौका शामिल था। अकरम ने कहा कि अगर मुझे लगता है कि मध्यक्रम को 'करो या मरो की सोच के साथ खेलना चाहिए था। मैं समझ सकता हूं कि राहुल के दिमाग में क्या चल रहा था। जडेजा के बाद कोई बल्लेबाज नहीं था और उसे जोखिम लिए बिना टिककर खेलना था। फाइनल में भारत को हरफनमौला हार्दिक पंड्या की कमी खली जो मध्यक्रम को संतुलन देते हैं। अकरम ने कहा कि हार्दिक टीम में होता तो राहुल जोखिम ले सकता था। अगर उसने जोखिम लिया होता और आउट हो जाता तो भी लोग उसकी आलोचना करते। उन्होंने कहा कि भारत ने बीच के ओवरों में तेजी से रन बनाए होते तो मैच की तस्वीर कुछ और होती।

वसीम ने तेजी से शुरूआत देने वाले भारतीय कप्तान रोहित शर्मा की तारीफ करते हुए कहा कि उसने पूरे विश्व कप में ऐसे ही

खेला। पूरे टूर्नामेंट में किसी ने इसकी शिकायत नहीं की।

वह 50 के भीतर आउट होता रहा लेकिन टीम को तेज शुरूआत दी। फाइनल में भी उसने ऐसा किया तो लोग शिकायत करने लगे। वसीम अकरम ने कहा कि वह स्पिन को बखूबी खेलने वाले दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से है।

वह फाइनल में मैक्सवेल का शिकार हो गए लेकिन रोहित ने अच्छा खेला और उसे इसमें बदलाव की जरूरत नहीं है।

हार्दिक पांड्या के बाद जोफ्रा आर्चर और कैमरून ग्रीन भी होंगे मुंबई इंडियंस से बाहर

नई दिल्ली ।

मुंबई इंडियंस टीम से हार्दिक पांड्या के बाद जोफ्रा आर्चर और कैमरून ग्रीन भी बाहर हो सकते हैं। क्यों कि मुंबई इंडियंस आईपीएल 2024 को लेकर सख्त फैसले लेती हुई नजर आ रही है। हालां कि पहले खबर आई थी कि मुंबई इंडियंस प्रबंधन ने हार्दिक पांड्या को गुजरात टाइटंस से ट्रेड कर लिया है। अब खबर है कि मुंबई ने जोफ्रा आर्चर और कैमरून ग्रीन को भी रिलीज करने का फैसला कर लिया है। खबर है कि हार्दिक पांड्या के लिए 15 करोड़ रुपए फीस निर्धारित की गई थी। अगर पांड्या मुंबई में आते हैं तो वह सीधे कप्तानी के दावेदार होंगे। गुजरात द्वारा हार्दिक को रिलीज करते ही उनके वेतन कैप में 15 करोड़ रुपए बढ़ जाएंगे जिससे वह और प्लेयर खरीद सकते हैं। जानकारी मिली है कि मुंबई इंडियंस पंड्या की रिलीज क्लॉज को तोड़ने के लिए गुजरात टाइटन्स को अतिरिक्त पैसे भी देगी, जिन्होंने टाइटन्स को उनके पहले सीज़न में प्रतिष्ठित खिताब जीतने में मदद करने से पहले एक उभरते एमआई युवा खिलाड़ी के रूप में अपनी यात्रा शुरू की थी। इसकी असल कीमत का खुलासा करने के अ धिकार बीसीसीआई और फ्रेंचाइजी के पास ही हैं। बता दें कि कैमरून ग्रीन ने एमआई के लिए आईपीएल 2023 में काफी अच्छा प्रदर्शन किया था। उन्होंने 16 मैचों में 50.22 की औसत से 452 रन बनाए थे और साथ ही 6 विकेट भी लिए थे। ऐसा लगता है कि मुंबई इंडियंस के पास लंबे कद के ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर को रिलीज करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है, क्योंकि उन्हें हार्दिक के साथ जुड़ने के बाद अपने संतुलन में सुधारने की जरूरत है। वहीं दूसरी ओर, आर्चर के लिए आईपीएल 2023 का सीजन भूलने वाला रहा। इंग्लिश तेज गेंदबाज, जो राजस्थान रॉयल्स के लिए शानदार फॉर्म में थे, रोहित शर्मा एंड कंपनी के लिए अच्छा प्रदर्शन करने में नाकाम रहे, उन्होंने 5 मैचों में 2 विकेट लिए थे।

फिर शुरू हुआ इजरायल फुटबॉल प्रीमियर लीग

जेरूसलम। हमास और इजरायल के बीच छिड़ी जंग के बाद इजरायल फुटबॉल प्रीमियर लीग 7 अक्टूबर को निलंबित होने के बाद फिर से शुरू हो गया है। शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, लीग पहले दौर के मैच के साथ लौटा जिसमें मौजूदा चैंपियन मकाबी हाइफा ने उत्तरी शहर हाइफा के सैमी ओफर स्टेडियम में हापोएल पेटाह टिकवा को 2-1 से हराया। सुरक्षा कारणों से दर्शकों की एंट्री मैच में बैन है, जो मूल रूप से 26 अगस्त के लिए निर्धारित था।यूईएफए चैंपियंस लीग में हाइफ़ा के क्वालीफाइंग मैचों के कारण इसे स्थगित कर दिया गया और युद्ध के कारण फिर से पुनर्निर्धारित किया गया। पांचवें दौर के बाद संघर्ष ने लीग को रोक दिया और छठे दौर के मैचों को 2 और 3 दिसंबर के लिए पुनर्निर्धारित किया गया है।इज़राइल बास्केटबॉल सुपर लीग, जिसे पहले दौर के केवल एक गेम के बाद निलंबित कर दिया गया था, 28 नवंबर को फिर से शुरू होने वाला है।

रोहित फिटनेस बना लें तो खेल सकते हैं वर्ल्ड कप : मुरलीधरन

-महान श्रीलंकाई गेंदबाज ने कहा

नई दिल्ली । अगर रोहित शर्मा अपनी फिटनेस को विराट कोहली की तरह बेहतर कर लें तो वे आसानी से अगले वर्ल्ड कप को खेल सकते हैं। यह कहना है महान गेंदबाज मुथैया मुरलीधरन का। उन्होंने बताया है कि भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा साल 2027 में होने वाले वनडे वर्ल्ड कप को कैसे खेल सकते हैं। अगले विश्व कप तक रोहित शर्मा 40 और विराट कोहली 39 साल के हो जाएंगे। रोहित शर्मा ने कभी भी क्रिकेट वर्ल्ड कप नहीं जीता है। रोहित शर्मा की कप्तानी वाली टीम को वर्ल्ड कप 2023 में ट्रॉफी उठाने का मौका मिल सकता था, लेकिन लगातार 10 मैच जीतकर फाइनल में पहुंची टीम इंडिया को ऑस्ट्रेलिया के हाथों हार का सामना करना पड़ा और रोहित शर्मा का देश के लिए वनडे वर्ल्ड कप की ट्रॉफी जीतने का सपना टूट गया। अभी अगले वर्ल्ड कप में चार साल का समय है, लेकिन फैंस चाहते हैं कि वे अगला विश्व कप खेलें, लेकिन इसमें कठिनाइयां हैं। वर्ल्ड कप 2023 में 125 के स्ट्राइक रेट से 597 रन बनाने वाले रोहित शर्मा से मुथैया मुरलीधरन खुश हैं। उन्होंने कहा आप उनके वनडे वर्ल्ड कप के प्रदर्शन को देखिए। उन्होंने जो शुरुआत दिलाई, जिस तरह की स्ट्राइक रेट से उन्होंने बल्लेबाजी की। वह टूर्नामेंट में कभी असफल नहीं हुए। और वह अभी 36 वर्ष के हैं और वह युवा हैं। अगर वह विराट की तरह अपनी फिटनेस पर ध्यान दें तो वह एक और विश्व कप खेल सकते हैं।श्रीलंकाई दिग्गज ने कहा, लोग इतनी कठोर बातें क्यों कर रहे हैं कि यह उनके जाने और युवाओं को लाने का सही समय है। जब तक वे फिट होकर प्रदर्शन कर रहे हैं, उन्हें खेलने दीजिए। रोहित ने वनडे में 130 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की, जो टी20 के लिए बुरा नहीं है। वह एक अनुभवी खिलाड़ी है। आपको बस 35 के बाद अपनी फिटनेस पर अधिक मेहनत करनी होगी। अगर इच्छा है तो वह खेलेंगे। मुझे लगता है कि वह निश्चित रूप से एक और विश्व कप खेलेंगे। यह उनके दिमाग में है। उन्होंने रोहित को टी20 प्रारूप में खेलने का भी समर्थन किया और कहा कि वनडे विश्व कप में उनकी स्ट्राइक टी20 के लिए अच्छी थी और वह 2024 में अगला टी20 विश्व कप खेलने की इच्छा रखते हैं, जो निश्चित रूप से वह कर सकते हैं।

आईपीएल से पहले चेन्नई सुपर के दीपक चाहर ने किया कमाल का प्रदर्शन

नई दिल्ली । आईपीएल 2024 के लिए रविवार को सभी 10 टीमें रीटेन करने वाले खिलाड़ियों की लिस्ट जारी कर सकती हैं। इस बीच एमएस धोनी की टीम चेन्नई सुपर किंग्स के तेज गेंदबाज दीपक चाहर ने कमाल का प्रदर्शन किया है। लिस्ट-ए टूर्नामेंट विजय हजारे ट्रॉफी के एक मैच में चाहर ने 6 विकेट लेकर अपनी टीम को बड़ी जीत दिलाई। गौरतलब है कि वे टी20 इंटरनेशनल में हैट्रिक भी ले चुके हैं। राजस्थान से खेल रहे दीपक चाहर ने 10 ओवर में 41 रन देकर 6 विकेट झटके। इस कारण गुजरात की टीम सिर्फ 128 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। जवाब में राजस्थान ने लक्ष्य को 5 विकेट खोकर हासिल कर लिया। 31 साल के तेज गेंदबाज दीपक चाहर आईपीएल 2023 में भी चैंपियन टीम चेन्नई सुपर किंग्स का हिस्सा रहे थे। गुजरात की ओर से चिराग गांधी ने 43 तो क्षितिज पटेल ने 31 रन बनाए। हालों कि पूरी टीम 29 ओवर में 128 रन बनाकर सिमट गई। राजस्थान की ओर से दीपक चाहर के अलावा खलील अहमद ने 2 तो अनिकेत चौधरी व साहिल को एक-एक विकेट मिला। जवाब में राजस्थान ने कप्तान दीपक हुडा के नाबाद 76 रन के सहारे लक्ष्य को 28.4 ओवर में 5 विकेट पर हासिल कर लिया। जानकार बता रहे हैं कि दीपक चाहर का 41 रन देकर 6 विकेट लिस्ट-ए करियर का बेस्ट प्रदर्शन है। वे अब तक 2 बार 5 विकेट लिए हैं। ओवरऑल लिस्ट-ए करियर में उन्होंने अब तक 59 पारियों में 27 की औसत से 82 विकेट झटके हैं। गौरतलब है कि टीम इंडिया की ओर से दीपक चाहर ने 13 वनडे खेले हैं और 16 विकेट लिए हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हमारे अच्छे कर्मों से खुश होते हैं भगवान

भगवान माला और माल से राजी नहीं होते, बल्कि हमारे कर्मों से प्रसन्न होते हैं। गीता निष्काम कर्मों के द्वारा मोक्ष प्राप्ति का मार्ग बताती है। श्रेष्ठ कर्मों को ही सच्ची भक्ति समझो। इसीलिए अपने कर्मों को ही पूजा बना लो। जिस प्रकार कमल के पत्ते पानी में रहते हुए भी जल को अपने ऊपर नहीं आने देते। ऐसे ही निष्काम कर्मयोगी संसार में रहते हुए भी कर्मों के बंधन तथा मोह में आसक्त नहीं होते है। गीता संसार को कर्मशील व पुरुषार्थी होने का संदेश देती है। वह हमारे मन में स्वार्थ, लोभ, अहंकार से ऊपर उठकर निष्काम व परोपकार के कर्मों की भावना जागृत करती है। वह श्रेष्ठ कर्म करते हुए इहलोक तथा परलोक दोनों के लिए उन्नति करने के लिए प्रेरणा देती है। हे मनुष्यों, वर्तमान जीवन और जगत को कर्मों की सुगंध से भरते चलो। कर्त्तव्य व दायित्व को ईमानदारी व कुशलता से निभाओ। गीता कह रही है– योगः कर्मसु कौशलम् अर्थात जो भी कर्म करो, उसको पूर्णता, निपुणता, सुन्दरता और कुशलता से करो। जो इस तरह से जीवन को जीता है, गीता के अनुसार वह इस जीवन व जगत को सफल कर लेता है और उसका अगला जन्म भी सुधर जाता है।

तन के श्रृंगार में ही जो समय गंवा देते हैं वह इस नाशवान संसार में भटक कर रह जाते हैं लेकिन जो मन का श्रृंगार कर उसमें बैठे परमात्मा की आराधना करते है वह संसार की मलिनता से बच जाते हैं, वस्तुतः दुर्गुणों से ही जीवन में मलिनता आती है। इनसे बचने का एकमात्र उपाय वेद शास्त्र और पुराणों का मंथन करना तथा सज्जनों की संगति है। अतः हमें अपने कर्मों पर ध्यान देते हुए जीवन जीना चाहिए।

मनुष्य पांच तत्वों से बना है। इन तत्वों में से अग्नि विशेष है। जहां एक ओर अन्य सभी तत्व प्रदूषित हो सकते है, वहीं अग्नि को दूषित नहीं किया जा सकता।

पूजा पाठ के अंत में हवन करने का क्या कारण है?

सृष्टि के सभी तत्व पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु व आकाश के विभिन्न संयोजनों से बने हैं। जगत का ही एक अंश होने के कारण मनुष्य भी इन्हीं पांच तत्वों से बना है। इन तत्वों में से अग्नि विशेष है। जहां एक ओर अन्य सभी तत्व प्रदूषित हो सकते है, वहीं अग्नि को दूषित नहीं किया जा सकता।

हमारे ऋषि अग्नि की इस विशेषता से भली भांति परिचित थे और इसीलिए हवन और दूसरे सभी वैदिक कर्मों में अग्नि का विशेष महत्व होता है। हवन मात्र एक कर्मकांड नहीं बल्कि एक योगी के लिए उन दिव्य शक्तियों से वार्तालाप का माध्यम है जो इस सृष्टि को चलाती हैं। तो क्या इसका अर्थ यह हुआ कि वे तत्व शुद्ध नहीं हैं जिनसे मनुष्य बना है। जिस प्रकार इस संसार में पृथ्वी, जल, वायु व आकाश प्रदूषित हो जाते हैं, उसी प्रकार से मानव शरीर में भी इन तत्वों का प्रदूषित होना संभव है। यह प्रदूषण मनुष्य को पतन अथवा विकृति की ओर धकेलता है। मनुष्य में इन तत्वों के प्रदूषण का पता लगाना अति सरल है। पृथ्वी तत्व के दूषित होने से व्यक्ति को समाज में प्रतिष्ठित पद और भव्य जीवन शैली जैसी सुविधाएं पाने की इच्छाएं बेलगाम होने लगती हैं।

जब जल तत्व दूषित होता है तो अप्राकृतिक काम इच्छा जागृत होने लगती है। वैदिक शास्त्र अपनी स्वाभाविक इच्छाओं का दमन करने के लिए नहीं कहता। अग्नि तत्व को दूषित नहीं किया जा सकता। योग और सनातन क्रिया की साधना से साधक अग्नि तत्व के अनुकूल स्तर बनाए रख सकता है। वायु तत्व यह निश्चित करता है कि हृदय व फ़ेफड़े ठीक से कार्य करें। इस तरह रक्त संचार प्रणाली और श्वास प्रणाली भी सही काम करती रहती है। अंत में दूषित आकाश तत्व के कारण थायरायड व पैराथायरायड ग्रंथियों के रोग और श्रवण शक्ति का क्षीण होना पाया जाता है। मात्र एक हवन में ही यह क्षमता होती है कि मनुष्य के सभी दोष समाप्त हो सकें।

एक रूप में भगवान श्री गणेश उमा महेश्वर के पुत्र हैं। वे अग्रपूज्य, गणों के ईश, स्वस्तिकरूप तथा प्रणव स्वरूप हैं। अनके अन्नत नामों में सुमुख, एकदन्त , कपिल, गजकर्णक, लम्बोदर, विकट, विघ्ननाशक, विनायक, धूमककेतु, गणाध्यक्ष, भालचन्द्र तथा गजानन ये बारह नाम अत्यन्त प्रसिद्ध हैं। इन नामों का पाठ अथवा श्रवण करने से विद्यारम्भ, विवाह, गृह नगरों में प्रवेश तथा गृह नगर से यात्रा में कोई विघ्न नहीं होता है।

ऐसे पाइए रिद्धि सिद्धि के दाता गणपति का आशीर्वाद...

भगवान गणेश का स्वरूप अत्यन्त ही मनोहर एवं मंगलदायक है। वे एकदन्त और चतुर्बाह हैं। अपने चारों हाथों में वे क्रमश पाश, अंकुश, मोदक पात्र तथा वर मुद्रा धारण करते हैं। वे रक्तवर्ण, लम्बोदर, शूर्पकर्ण तथा पीत वस्त्र धारी हैं। वे रक्त चंदन धारण करते हैं तथा उन्हें रक्त वर्ण के पुष्प विशेष प्रिय हैं। वे अपने उपासकों पर शीघ्र प्रसन्न होकर उनकी समम्त मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं।

एक रूप में भगवान श्री गणेश उमा महेश्वर के पुत्र हैं। वे अग्रपूज्य, गणों के ईश, स्वस्तिकरूप तथा प्रणव स्वरूप हैं। अनके अन्नत नामों में सुमुख, एकदन्त , कपिल, गजकर्णक, लम्बोदर, विकट, विघ्ननाशक, विनायक, धूमककेतु, गणाध्यक्ष, भालचन्द्र तथा गजानन ये बारह नाम अत्यन्त प्रसिद्ध हैं। इन नामों का पाठ अथवा श्रवण करने से विद्यारम्भ, विवाह, गृह नगरों में प्रवेश तथा गृह नगर से यात्रा में कोई विघ्न नहीं होता है।

भगवान गणपति के अनेक अवतार हुए हैं। उनके सभी चरित्र अनन्त हैं। पदम पुराण के अनुसार एक बार पार्वती जी ने अपने शरीर के मैल से एक पुरूषाकृति बनाई जिसका मुख हाथी के समान था। फिर उस आकृति को उन्होंने गंगा जल में डाल दिया। गंगा जल में पड़ते ही वह आकृति विशालकाय हो गई। पार्वती जी ने उसे पुत्र कहकर पुकारा देव समुदाय ने उन्हें गंगये कहकर सम्मान दिया और ब्रहमाजी ने उन्हें गणों का अधिपत्य प्रदान करके गणेश नाम दिया।

लिंग पुराण के अनुसार एक बार देवताओं ने भगवान शिव की उपासना करके उनसे सुरद्रोही दानवों के दुष्कर्म में विघ्न उपस्थित करने के लिए वर मांगा। आशुतोष शिव ने तथास्तु कहकर देवताओं को संतुष्ट कर दिया। समय आने पर गणेश जी का प्राकट्य हुआ। उनका मुख हाथी के समान था और उनके एक हाथ में त्रिशुल तथा दूसरे में पाश था। देवताओं ने सुमन वृष्टि करते हुए गजानन के चरणों में बारम्बार प्रणाम किया। भगवान शिव जी ने गणेश जी को दैत्यों के कार्यों में विघ्न उपस्थित करके देवताओं और ब्रह्माणों का उपकार करने का आदेश दिया।

प्रजापति विश्वकर्मा की सिद्धि बुद्धि नामक दो कन्याएं गणेश जी की पत्नियां हैं। सिद्धि से क्षेम और बुद्धि से लाभ नामक शोभा सम्पन्न दो पुत्र हुए। शास्त्रों और पुराणों में सिंह मयूर और मूषक को गणेश जी का वाहन बताया गया है। गणेश पुराण के क्रिड़ा खण्ड में उल्लेख है कि कृतयुग में गणेश जी का वाहन सिंह है। वे दस भुजाओं वाले, तेज स्वरूप तथा सब को वर देने वाले हैं और उनका नाम विनायक है। त्रेता में उनका वाहन मयूर है, वर्ण श्वेत है तथा तीनों लोकों में वे मयूरेश्वर नाम से विख्यात हैं और छ भुजाओं वाले हैं। द्वापर में उनका वर्ण लाल है। वे चार भुजाओं वाले और मूषक वाहन वाले हैं तथा गजानन नाम से प्रसिद्ध हैं। कलयुग में उनका धूम्रवर्ण है। वे घोड़े पर आरूड़ रहते हैं। उनके दो हाथ हैं तथा उनका नाम धूम्रकेतू है। मोदक प्रिय गणेश जी विद्या बुद्धि और समस्त सिद्धियों के दाता तथा थोड़ी उपासना से प्रसन्न हो जाते हैं। उनके जप का मंत्र ओम गं गणपतेय नमः है।

कैसे हनुमान जी आपका लॉकर सदा धन से भरा रखेंगे

जीवन की समस्त अवश्यकताओं की पूर्ति के लिए धन की आवश्यकता होती है। कुछ लोग कम मेहनत करने पर भी अधिक धन संचित कर लेते हैं तो कुछ लोगों को कड़ी मेहनत के उपरांत भी उनकी मेहनत के अनुरूप धन नहीं मिल पाता। कई लोग ऐसे होते हैं जो कमाई तो अच्छी कर लेते हैं, लेकिन आगे के लिए कुछ बचा नहीं पाते। अगर धन का अगमान ठीक भी हो तो बढ़े हुए खर्च के कारण धन संबंधी परेशानी बनी रहती है। आप जब भी बैंक जाएं तो मन ही मन महालक्ष्मी के मंत्रों का जाप करें। ऐसा करने से बैंक में जमा पैसे पर महालक्ष्मी की कृपा बनी रहेगी और उस पैसे में निरंतर बढ़ौतरी होती रहेगी।

ऊँ महालक्ष्म्यै नमः, ऊँ ह्रीं श्रीं महालक्ष्म्यै नमः
ऊँ श्रीं ह्रीं क्लीं ह्रीं श्रीं महालक्ष्म्यै नमः

निम्न पंक्तियों का प्रतिदिन जाप करने से हनुमान जी के साथ साथ यम, कुबेर एवं अन्य देवी-देवताओं की भी कृपा प्राप्त होगी। कुबेर देव की अनुकम्पा से आपका लॉकर कभी खाली नहीं होगा और सदा धन से भरा रहेगा।

जम कुबेर दिगपाल जहां ते। कवि कोबिद कहि सके कहां ते।।

मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होने पर कुबेर जी अपना खजाना उनके भक्तों के लिए खोल देते हैं इसलिए मां लक्ष्मी के साथ साथ कुबेर जी का चित्र अथवा श्री रूप घर में स्थापित करें। वास्तु शास्त्र के मतानुसार मां लक्ष्मी और कुबेर जी का चित्र अथवा श्री रूप उत्तर दिशा की ओर स्थापित करें। इससे उत्तर दिशा सक्रिय होगी एवं धन आगमन में आने वाली समस्त बाधाओं का नाश होगा।

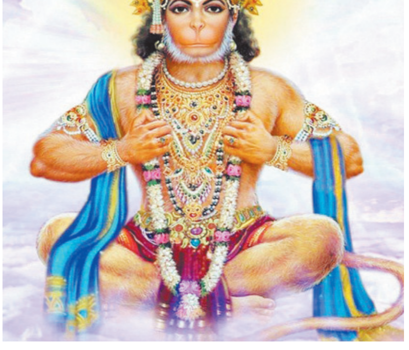

इन महाविद्याओं से सिद्धियों एवं मनोवांछित फलों की प्राप्ति होती है

शिवपुराण के मतानुसार भगवान शिव शंकर के दस अवतारों में आदशक्ति मां दुर्गा समस्त अवतारों में उनके साथ अवतरित हुई थी। दस महाविद्यायों के नाम से जानी जानें वाली महामाया मां जगत् जननी दुर्गा के ये दस रूप तांत्रिकों एवं उपासकों की आराधना का अभिन्न अंग हैं। इन महाविद्याओं के माध्यम से उपासक को बहुत सी सिद्धियों एवं मनोवांछित फलों की प्राप्ति होती है। मां दुर्गा एवं भगवान शिव शंकर के दस अवतार इस प्रकार हैं–

- भगवान शिव शंकर के महाकाल अवतार के समय देवी महाकाली के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के तारकेश्वर अवतार के समय देवी तारा के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के भुवनेश अवतार के समय देवी भुवनेश्वरी के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के षोडश अवतार के समय देवी षोडशी के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के भैरव अवतार के समय देवी जगदम्बा भैरवी के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के छिन्नमस्तक अवतार के समय देवी छिन्नमस्ता के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के ध्रूमवान अवतार के समय धूमावती के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के बगलामुखी अवतार के समय देवी जगदम्बा बगलामुखी रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के मातंग अवतार के समय देवी मातंगी के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के कमल अवतार के समय कमला के रूप में देवी उनके साथ अवतरित हुई।

ग्रेटर नोएडा में प्रतिबंधित नशीली गोलियों के साथ 1 गिरफ्तार, 480 नशीली गोलियां

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा में ईकोटेक फर्स्ट पुलिस ने प्रतिबंधित नशीली गोलियां बेचने वाले एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। उसके पास से बड़ी मात्रा में नशीली गोलियां बरामद हुई हैं। आरोपी कॉलेज और यूनिवर्सिटी के छात्रों को गोलियों की सप्लाई करता था। थाना इकोटेक प्रथम पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 480 नशीली गोलियां (एलप्रजोलम) बरामद की हैं। आरोपी शाकिर को थाना क्षेत्र के गौतमबुद्ध यूनिवर्सिटी के पास से गिरफ्तार किया गया है। उसने अपनी एक दवाइयों की दुकान भी खोल रखी है, जिसकी आड़ में वह दिल्ली से प्रतिबंधित नशीली गोलियां लाकर नशे के प्रयोजन के लिए बेचता था।

पुलिस-बदमाशों के बीच मुठभेड़, चार बदमाशों को लगी गोली, सीमेंट से भरी ट्रैक्टर ट्रॉली लूटी थी

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के दादरी थाना पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हुई। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक 23 नवंबर को बदमाशों ने ड्राइवर को धोखा देकर ट्रैक्टर-ट्राली लूटी थी। ट्रैक्टर में 320 बोरियां सीमेंट लोड थी। बदमाश सीमेंट के बिल और ट्रैक्टर ट्रॉली छीनकर भाग गये थे। पुलिस ने मामले की जांच के दौरान चार टीमों का गठन किया था। इसी बीच पुलिस को सूचना मिली की बदमाश लूटे गए सामान को बेचने जा रहे हैं। थाना क्षेत्र के बोडाकी रामगढ़ मार्ग पर सर्वोत्तम सोसाइटी के गेट के पास दादरी पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ में चार बदमाशों विजय, विष्णु, पिन्टू और विनोद के पैर में गोली लगी। पुलिस ने इनके कब्जे से लूटी गई सीमेंट और ट्रैक्टर ट्रॉली बरामद कर ली। एक कार और चार अवैध तमंचे-कारतूस भी जब्त किए गए। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

ब्वॉयफ्रेंड से मिलने के बाद मेडिकल छात्रा ने किया था सुसाइड, दूसरे टावर से कूदी थी नीचे

गाजियाबाद। गाजियाबाद के इंदिरापुरम में एटीएस एडवांटेज सोसाइटी के 23वें फ्लोर से कूदकर मेडिकल की स्टूडेंट ने खुदकुशी कर ली। शनिवार सुबह ही उसकी लाश ग्राउंड फ्लोर में एक बिजनेसमैन के फाउंटेन में पड़ी थी। सीसीटीवी में युवती शुक्रवार शाम को गिरती हुई दिखी है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है। पुलिस ने इस पूरे मामले की सुबह से करीब 5 घंटे तक छानबीन की। एसीपी इंद्रापुरम स्वतंत्र कुमार सिंह ने बताया कि सुबह पुलिस को सूचना मिलती है कि एटीएस एडवांटेज सोसाइटी में एक युवती मृत पड़ी है। तत्काल पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव की शिनाख्त का प्रयास किया। शव की शिनाख्त आस्था शर्मा, पुत्री अजय शर्मा के रूप में हुई, जो मूलरूप से दिल्ली के मंडी इलाके की रहने वाली थी। वह गाजियाबाद में एक प्राइवेट मेडिकल संस्थान में पढ़ती थी। सोसाइटी में युवती का मित्र रहता है, इसलिए उसका यहां आना-जाना था।

नोएडा में मारपीट में घायल व्यक्ति की मौत, परिजनों ने सड़क पर शव रखकर किया हंगामा

ग्रेटर नोएडा। नोएडा। थाना जेवर क्षेत्र के चिरौली गांव में रहने वाले साहिब सिंह नामक व्यक्ति के साथ 25 जून वर्ष 2023 को मारपीट की गई थी। उपचार के दौरान वह ठीक होकर घर आ गया था। घर पर आने के बाद उसकी तबीयत दोबारा से खराब हुई तथा उसे ग्रेटर नोएडा के जिम्स अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां पर उसकी मौत हो गई। इस बात से आक्रोशित ग्रामीणों ने उसके शव को जेवर कोतवाली के पास सड़क पर रखकर जाम लगा दिया। मौके पर पहुंचे पुलिस के अधिकारियों ने उन्हें समझाया बूझकर शांत करवाया। अपर पुलिस उपायुक्त (जोन तृतीय) अशोक कुमार सिंह ने बताया कि थाना जेवर क्षेत्र के चिरौली गांव में रहने वाले साहिब सिंह के साथ उनके गांव के राकेश, संजीव, कुलदीप, प्रिंस, राहुल, कपिल आदि ने मारपीट कर हत्या का प्रयास किया था। यह घटना 25 जून वर्ष 2023 की है। उन्होंने बताया कि उसे गंभीर हालत में उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। उपचार के बाद ठीक होने पर उसे घर भेज दिया गया लेकिन 24 नवंबर को उसकी तबीयत अचानक खराब हो गई, तथा उसे उपचार के लिए जिम्स अस्पताल में दोबारा से भर्ती करवाया गया, जहां पर उसका निधन हो गया।

महिला आरक्षण से विकसित राष्ट्र बनाने में मदद मिलेगी : मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संसद और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए आरक्षण के प्रावधान वाले कानून की मंजूरी को भारतीय लोकतंत्र की संकल्प शक्ति का एक उदाहरण बताते हुए कहा है कि इससे देश को विकसित राष्ट्र बनाने में मदद मिलेगी। श्री मोदी अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम- मन की बात में रविवार को संविधान दिवस को बधाई देते हुए कहा कि भारत की संविधान सभा के मनोनीत सदस्यों में 15 महिलाएं थीं। इनमें से एक हंसा महता जी ने महिलाओं के अधिकार और न्याय को आवाज बुलंद की थी। इस दौर में भारत उन कुछ देशों में था, जहां महिलाओं को संविधान से मतदान का अधिकार दिया गया।

उन्होंने कहा, 'अब भारत की संसद ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम को पास किया है। यह अधिनियम हमारी लोकतंत्र की संकल्प शक्ति का उदाहरण है। यह विकसित भारत के हमारे संकल्प को गति देने के लिए उतना ही सहायक होगा।' प्रधानमंत्री ने कहा 'राष्ट्र निर्माण में जब सबका साथ होता है तभी सबका विकास हो पाता है। मुझे संतोष है कि संविधान निर्माताओं के उसी दूर दृष्टि का पालन करते हुए, अब भारत की संसद में 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' को पास किया है।' प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में देश में डिजिटल तरीके से भुगतान के रुझान में तेजी युवाओं में प्रौद्योगिकी के सहारे नए विचारों पर काम करने और नवाचार की तरफ आकर्षण तथा स्वच्छता के प्रति जनता की सोच में बदलाव जैसे मुद्दों को भी रेखांकित किया।

उन्होंने जल संरक्षण के महत्व का मुद्दा उठाते हुए कहा कि 21वीं सदी की बहुत बड़ी चुनौतियों में से एक है जल सुरक्षा की चुनौती।

प्रधानमंत्री ने कहा कि जल का संरक्षण करना जीवन को बचाने से कम नहीं है। उन्होंने इसके लिए सामूहिकता की भावना से काम करने की आवश्यकता पर बल दिया और कहा कि मिल-जुलकर काम करने से ही इसमें सफलता मिलेगी। श्री मोदी ने इस दिशा में हर जिले में अमृत सरोवर बनाने की केंद्र की योजना का उल्लेख किया।

सिख विरोधी दंगों के आरोपी को रिहा करने के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में दायर होगी याचिका, एलजी ने दी मंजूरी

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने 1984 के सिख विरोधी दंगों के एक मामले में छह आरोपियों को बरी करने के दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर करने को अनुमति दे दी है। मामले में लापरवाही बरतने के लिए उन्होंने दिल्ली सरकार के अभियोजन विभाग को फटकार भी लगाई है। यह मामला उत्तर पश्चिम दिल्ली के सरस्वती विहार पुलिस स्टेशन (वर्तमान में सुभाष प्लेस) क्षेत्र में दंगों के दौरान हत्या के प्रयास, लूटपाट और दंगे से संबंधित है। इस मामले में हरिलाल, मंगल, धर्मपाल, आजाद, ओम प्रकाश और अब्दुल हबीब छह आरोपी हैं। इस मंजूरी के लिए दिल्ली सरकार के गृह विभाग ने प्रस्ताव भेजा था, जिसे एलजी ने मंजूरी दे दी। हाईकोर्ट का कहना था कि 28 मार्च 1995 के निचली अदालत के फैसले के खिलाफ अपील दायर करने में 28 वर्षों की देरी के लिए कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया गया था और राज्य द्वारा उठाए गए आधार उचित नहीं थे। इसी तरह के एक अन्य मामले में उपराज्यपाल द्वारा नांगलोई पुलिस स्टेशन में दर्ज एक अन्य सिख विरोधी दंगा मामले में 12 लोगों को बरी करने के खिलाफ शीर्ष कोर्ट में विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) दायर करने की मंजूरी पहले ही दी जा चुकी है। उपराज्यपाल ने कहा कि दिल्ली उच्च न्यायालय के समक्ष अपील दायर करने की मंजूरी दिसंबर 2020 में दी गई थी, लेकिन, अपील दो वर्ष से अधिक की देरी के बाद 2023 में दायर की गई थी। सक्सेना ने इसे गंभीर चिंता का विषय बताते हुए कहा कि मानवता के खिलाफ अपराध के ऐसे मामलों को बहुत ही अनौपचारिकता, रूटीन तरीके तथा लापरवाही से निपटाया जाता है, जिससे अपील दायर करने में अधिक देरी होती है।

ट्रेड फेयर के अंतिम वीकेंड पर दिल्ली पवेलियन में उमड़ी भीड़

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित ट्रेड फेयर के अंतिम वीकेंड पर दिल्ली पवेलियन में जमकर भीड़ उमड़ी एवं लोग पेवेलियन के सभी स्टालों पर जमकर खरीदारी करते देखे गए। दिल्ली पवेलियन में बने अक्षरधाम मंदिर के साथ सेल्फी लेने का भी लोगों में जमकर क्रेज देखा गया। वहीं पवेलियन में रोज हो रहे सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं स्टेज शो का भी लोगों ने लुत्फ उठाया।

42वें भारतीय अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला में दिल्ली सरकार के डीएसआईआईडीसी द्वारा आयोजित दिल्ली पवेलियन में दीपा गुप्ता के स्पॉटलाइट ऑन ट्रेंड्स के एस 16 स्टॉल पर आर्टिफिशियल ज्वैलरी लोगों को लुभा रहे हैं। दिल्ली के शहादरा से आई स्टॉल की संचालिका दीपा गुप्ता ने बताया कि हमारे स्टॉल पर मिक्स मेटल के ज्वैलरी, स्टोन ज्वैलरी, पेंडेंट्स, झुमका, कुन्दन, टीका आदि के मनमोहक डिजाइन के लोग मुरीद हो गए एवं जमकर खरीदारी कर रहे हैं। यहां पर 100 रुपए से लेकर 15000 रुपए तक के आर्टिफिशियल ज्वैलरी उत्पाद उपलब्ध हैं।

मालिनी अवस्थी ,उस्ताद अनवार खान ने राजधानी में बिखेरे अपने जलव

नई दिल्ली। उत्कृष्ट लोक गायिका पद्मश्री मालिनी अवस्थी और प्रसिद्ध राजस्थानी सूफी गायक पद्मश्री उस्ताद अनवर खान ने 'साहित्योत्सव जश्न-ए-अदब कल्चरल कारवाँ विरासत 2023' में अपनी प्रस्तुति दीं।

प्रसिद्ध ओटीटी अभिनेता मनु ऋषि चड्ढा और प्रियांशु पेनयुली ने 'सिनेमा, वेब सीरीज और रंगमंच - कभी दूर कभी पास' सत्र में चर्चा की। यह बहुप्रतीक्षित सांस्कृतिक कार्यक्रम केन्द्रीय संस्कृति मंत्रालय और केन्द्रीय पर्यटन मंत्रालय -अतुल्य भारत के सहयोग से इंडिया इंटरनेशनल सेंटर (लोधी रोड) में आयोजित किया जा रहा है। दर्शक इस ऐतिहासिक सांस्कृतिक समारोह में रविवार को पद्म विभूषण डॉ. सोनल मानसिंह के विशेष प्रदर्शन देख सकेंगे।दर्शकों के लिये प्रवेश पूर्णतः निःशुल्क है। शनिवार को कार्यक्रम की शुरुआत सूफ़ी ब्रदर्स- दिलशाद साबरी, इरशाद साबरी एंड ग्रुप की महफ़िल-ए-कव्वाली से हुई। दिन की श्रेष्ठ प्रस्तुति जिसे जबरदस्त तालियाँ मिलीं, वह था जश्न-ए-अदब मुशायरा, जिसमें उत्कृष्ट शायर फरहत एहसास, मशहूर शायर शारिक कैफ़ी, मशहूर शायर जमुना प्रसाद उपाध्याय, डॉ. सुनील पनवार आईएफएस, वसीम नादिर, मनीष शुक्ला, जावेद मुशिरी, आशु मिश्रा और कुँवर रंजीत चौहान शामिल थे।

खूब बजेगी शहनाई: गौतमबुद्धनगर में होंगीं 3000 करोड़ रुपये की शादियां, 17 हजार विवाह होने की उम्मीद

नई दिल्ली। गौतमबुद्ध नगर में इस बार 3000 करोड़ की शादियां होंगी। कैट की रिपोर्ट के मुताबिक 17 हजार शादियां होने की उम्मीद हैं। ऐसे में बाजार भी खरीदारी और शादियों के आयोजन में होने वाले खर्च से गदगद है। एक आकलन के मुताबिक शादियों के चलते होने वाला कारोबार पिछले साल की तुलना में करीब 20 फीसदी अधिक होगा। कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के आकलन के मुताबिक, 17 हजार शादियों में जो खर्च होना है, उसका करीब 80 फीसदी बाजार में आता है। ऐसे में एक आकलन यह है कि करीब 3000 करोड़ रुपये बाजार के हिस्से आएंगे। 20 फीसदी वर और वधू पक्ष के पास पूरी शादी के खर्च में से जाता है। कैट की रिपोर्ट में माना गया है कि गौतमबुद्ध नगर सहित पूरे देश में दिवाली के अच्छे व्यापार के बाद अब शादियों का मौका भी कारोबार के लिए बेहतर रहेगा। 2022-23 में यह कारोबार करीब 2500 करोड़ रुपये का हुआ था। इसके चलते बड़े-छोटे व्यापारियों को इस साल अच्छा खासा व्यापार मिलने की उम्मीद है। कैट के दिल्ली-एनसीआर संयोजक और सेक्टर-18 मार्केट एसोसिएशन नोएडा के अध्यक्ष सुशील कुमार जैन ने बताया कि नोएडा और ग्रेनो दोनों ही जगह शादियों के लिए व्यापार की बेहतर संभावनाएं देखने को मिल रही हैं। शादियों के सीजन में अच्छे व्यापार की संभावनाओं को देखते हुए व्यापारियों ने भी अपनी तैयारियां की हैं। बाजारों में भी शादियों के लिए जरूरी इंतजाम किए गए हैं। इस दौरान घरों की मरम्मत के सामान, पेंट के अलावा फर्नीचर, कपड़े, ज्वेलरी, मिठाई, गिफ्ट, फल-फूल, पूजा का सामान, खाद्य पदार्थ, सजावटी सामान, बिजली उत्पाद की खरीद की जाती है। इसके अलावा शादी के दिन के लिए बैंकट हॉल की बुकिंग, सजावट पर भी बड़ा खर्च किया जाता है। इसमें केटरर, टेंट हाउस, कैब सर्विस, सब्जी विक्रेता, फोटोग्राफर, वीडियोग्राफर, बैंड-बाजा, शहनाई, डीजे, बारात के लिए घोड़े, बग्घी आदि सेवाओं की बुकिंग पर भी खर्च रहेगा।

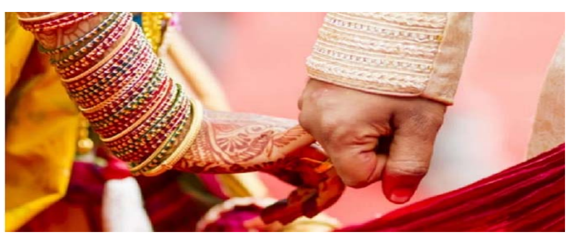

शादियों के लिए इस साल मुहूर्त
23, 24, 27, 28 और 29 नवंबर
3, 4, 7, 8, 9 और 15 दिसंबर

इसके बाद शादियां जनवरी के मध्य से फिर से शुरू होंगीं। अगले साल जुलाई तक शादियां चलेंगीं।

1500 शादियों में होगा 50 लाख से अधिक खर्च

कैट का आकलन है कि जिले में करीब 1500 शादियां ऐसी होगीं जिनमें 50 लाख रुपये से अधिक खर्च होने का अनुमान है। इनमें 250 शादियों में तो खर्च एक करोड़ रुपये के ऊपर रह सकता है। करीब 3000 शादियों में 4 से 5 लाख रुपये, 4500 शादियों में 7- 9 लाख रुपये, 5000 शादियां में 12 -15 लाख रुपये, 4000 शादियां जिनमें 30 -35 लाख रुपये प्रति शादी खर्च होगा।

एंटी स्मॉग गन की क्षमता हुई दोगुनी, अब तीन घंटे तक लगातार हो सकेगा छिड़काव

नई दिल्ली। वायु प्रदूषण के नियंत्रण के लिए पानी के छिड़काव में एंटी स्मॉग गन से छिड़काव किया जाता है, लेकिन दस हजार लीटर पानी की क्षमता होने की वजह से इसे एक से डेढ़ घंटे बाद पुनः भरना पड़ता है।

इसे देखते हुए एनडीएमसी ने 17 हजार लीटर की क्षमता वाली टैंक के साथ एक एंटी स्मॉग गन पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर अपने बेड़े में शामिल की है। इससे अब तीन घंटे तक लगातार पानी का छिड़काव हो सकेगा। एनडीएमसी के अनुसार पानी की टंकी क्षमता 17 हजार लीटर होने से जो इसके भरने और फिर पुनः छिड़काव प्वाइंट पर लौटने में समय लगता था वह भी कम हो जाएगा।

दिल्ली के मुख्य सचिव के लिए 5 नाम भेजे केंद्र, दिल्ली सरकार को चुनने का अधिकार, सुप्रीमकोर्ट ने दिया सुझाव

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने केंद्र सरकार से कहा कि वह दिल्ली के नए मुख्य सचिव की नियुक्ति के लिए पांच नामों की एक सूची प्रस्तावित करे, जिनमें से राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की सरकार किसी एक को चुन सकती है।

मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद कहा, 'अंततः गृह मंत्रालय को नियुक्ति करनी ही है। आप दोनों हमें कोई व्यावहारिक समाधान क्यों नहीं देते जो केंद्र सरकार की चिंताओं को दूर करे। साथ ही यह राज्य की निर्वाचित सरकार के अधिकारियों में कुछ हद तक विश्वास पैदा करेगा। मुझे यकीन है कि आप दोनों हमें कोई रास्ता दे सकते हैं।'दिल्ली सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ वकील ए एम सिंघवी ने पीठ के समक्ष दलील दी कि यह नियुक्ति हमेशा दिल्ली सरकार करती थी। उन्होंने कहा, 'मैं जिस बात पर आपत्ति जता रहा हूं, वह उपराज्यपाल का एकतरफा फैसला है।' केंद्र सरकार का प्रतिनिधित्व कर रहे सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने पीठ के समक्ष दलील दी कि मुख्य सचिव की नियुक्ति गृह मंत्रालय द्वारा की जाती है। उन्होंने कहा, यहां तक कि दिल्ली सेवा कानून के संदर्भ में लागू संशोधन से पहले भी नियुक्ति की जा सकती है। श्री सिंघवी ने कहा कि गृह मंत्रालय ने मुख्यमंत्री की सिफारिश पर औपचारिक नियुक्ति की। हालाँकि, मेहता सिंघवी के तर्क से सहमत नहीं थे। श्री मेहता ने अदालत से कहा कि वह कोई सुझाव न दें, क्योंकि इसके बाद ना कहना मुश्किल है। पीठ ने कहा, उपराज्यपाल और मुख्यमंत्री मिल सकते हैं। पिछली बार हमने डीईआरसी के अध्यक्ष की नियुक्ति के लिए कहा था और वे कभी सहमत नहीं हुए। दिल्ली के उपराज्यपाल का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश साल्वे ने कहा कि मौजूदा सचिव पर लगातार टिप्पणी हो रही है और उन्हें अदालत का रुख करना होगा और अपमानजनक हमले के खिलाफ निषेधाज्ञा प्राप्त करनी होगी और ये चीजें माहौल को खराब कर रही हैं। श्री सिंघवी ने कहा कि मामले में दस नाम दिये जा सकते हैं। पीठ ने कहा, आगे बढ़ने का एक संभावित रास्ता है, अगर हम इसे मुख्यमंत्री और उपराज्यपाल की मुलाकात के लिए एक खुली प्रक्रिया की तरह छोड़ देते हैं। उपराज्यपाल नामों की एक समिति क्यों नहीं प्रस्तावित करते।

शीर्ष अदालत ने कहा कि उपराज्यपाल और केंद्र सरकार द्वारा नामों की एक समिति का सुझाव दिया जा सकता है। शीर्ष अदालत वर्तमान मुख्य सचिव नरेश कुमार (जो इस महीने सेवानिवृत्त हो रहे हैं) का कार्यकाल बढ़ाने या एक नया अधिकारी नियुक्त करने के केंद्र के कदम के खिलाफ दिल्ली सरकार की याचिका पर आगे की सुनवाई जारी रखेगी।

गाजियाबाद में फार्म हाउस के विवाह मंडप में लगी आग, काबू

ग़ाज़ियाबाद। थाना कबीर नगर थाना क्षेत्र स्थित पांडव नगर के मार्शल महल फार्म हाउस के विवाह मंडप में रविवार को तड़के आग लग गई। हालांकि फायर ब्रिगेड की गाड़ियों ने तत्काल मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया।

मुख्य अग्निशमन अधिकारी राहुल पाल ने बताया कि फ़ायर स्टेशन कोतवाली पर तरुण शर्मा नाम के शख्स ने कॉल करके आज अलसुबह 3.34 बजे सूचना दी कि मार्शल महल पांडव नगर पांडव नगर डायमंड फ्लाईओवर गाजियाबाद के पास विवाह मंडप में आग लग गयी है। सूचना मिलते ही फायर स्टेशन कोतवाली से 02 फायर टैंकर सहित एफएसओ फायर यूनिट के साथ घटनास्थल के लिए रवाना हुए। घटनास्थल पर जाकर देखा की मार्शल महल के मंडप में फाइबर शीट में आग जल रही थी, जिसे फायर सर्विस यूनिट ने शीघ्रता से होज पाइप फैलाकर फ़ाइटिंग करके आग बुझाना शुरू किया उन्होंने बताया कि आग की विकरलता को देखते हुए अन्य फायर स्टेशनों से फायर टेंडर मांगाए गए। आग को काबू कर लिया गया। मालिक का नाम इंद्रपाल सिह ग्राम काजीपुरा थाना कवि नगर के मूल निवासी हैं। घटनास्थल पर कोई जनहानि नहीं हुई।

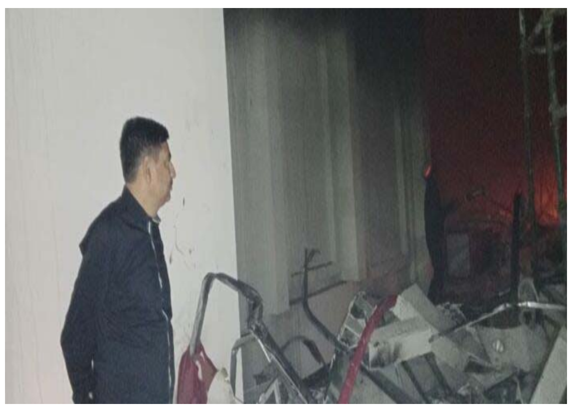

दिल्ली में नशेड़ियों का आतंक: शराब के लिए युवक से लूटपाट, बदमाशों ने चाकू से गोदा

नई दिल्ली। पश्चिम विहार इलाके में लूटपाट का विरोध करने पर एक युवक की चाकू गोदकर हत्या करने वाले सात बदमाशों को पुलिस ने पकड़ लिया है। पकड़े गए बदमाशों में चार नाबालिग हैं। पुलिस ने करीब दो सौ सीसीटीवी कैमरे की जांच कर बदमाशों की पहचान की। बदमाशों ने खुलासा किया है कि शराब के लिए उन्हें पैसे की जरूरत थी, इसलिए उनलोगों ने लूटपाट को अंजाम दिया। पुलिस ने बदमाशों के कब्जे से मृतक का आधार कार्ड, पैन कार्ड और बैंक पासबुक बरामद किया है। गिरफ्तार तीन बदमाशों की पहचान मंगोलपुरी निवासी आशु कुमार (18), सलीम (19) और सनी (19) के रूप में हुई है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि 20 नवंबर की देर शाम पुलिस को उद्योग नगर पीरागढ़ी के पीछे रेलवे ट्रैक पर एक युवक को चाकू मारे जाने की जानकारी मिली। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। लेकिन वहां कोई पीड़ित और शिकायतकर्ता नहीं मिले। आस-पास पूछताछ करने पर पता चला कि पीड़ित को

संजय गांधी अस्पताल ले गए हैं। अस्पताल पहुंचने पर पता चला कि घायल युवक को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया है। मृतक की शिनाख्त शास्त्री नगर बहादुरगढ़ निवासी मंजय पासवान (36) के रूप में हुई। अस्पताल में मिले शिकायतकर्ता जितेंद्र ने बताया कि वह मूलतः बिहार के रहने वाले हैं। वह मंजय के साथ शास्त्री नगर बहादुरगढ़ में रहते थे। दोनों उद्योग नगर स्थित एक जूते की फैक्टरी में काम करते थे। 20 नवंबर को काम खत्म करने के बाद वह बहादुरगढ़ जाने के लिए ट्रैक के रास्ते मंगोलपुरी रेलवे स्टेशन जा रहे थे। जहां से उन्हें ट्रेन पकड़नी थी। तभी 15-20 साल के करीब आधा दर्जन लड़के उनसे लूटपाट करने लगे। विरोध करने पर उनलोगों ने चाकू से हमला कर दिया। वह किसी तरह वहां से जान बचाकर भागने में सफल रहा लेकिन मंजय को बदमाशों ने पकड़ लिया और उसपर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। कुछ देर बाद वह अन्य राहगीरों के साथ वापस घटनास्थल पर पहुंचा। वहां मंजय घायल अवस्था में पड़ा था। उसके शरीर पर चाकू के कई जख्म थे।

संक्षेप खबर

संवैधानिक अधिकारों को कुचल रहे भाजपा-आरएसएस - खड़गे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने संविधान को भारतीय लोकतंत्र की जीवन रेखा बताते हुए कहा है कि भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) देश की जनता के संवैधानिक अधिकारों को कुचल रहे हैं।श्री खडगे ने संविधान दिवस पर आज अपने संदेश में कहा, ÷भारत का संविधान हमारे लोकतंत्र की जीवन रेखा है। हम 74वें संविधान दिवस को मनाते हुए इसके निर्माताओं के कृतज्ञ हैं और उनके प्रति अत्यंत श्रद्धा से सर नवाते हैं- क्योंकि उन्होंने हमारे संविधान में प्रत्येक भारतीय के सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक अधिकारों की गारंटी दी है।उन्होंने कहा, ÷इन गारंटियों के बावजूद आज हमारे संविधान की भावना के समक्ष अनेक चुनौतियां सामने आकर खड़ी हो गई हैं और लोगों को इन चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। देश का वर्तमान शासन संविधान में निहित सभी स्वतंत्रताओं को कुचलने और कम करने के लिए हर चाल चल रहा है। असहमति को दबाया जा रहा है और संस्थाओं को सत्तावादी व्यवस्था लागू करने के खेल में मोहरा बनाया जा रहा है। यही नहीं सामाजिक परिवर्तनों की आड़ में नफरत को परोसा जा रहा है।श्री खडगे ने कहा आरएसएस भाजपा संविधान पर व्यवस्थित और तीखा हमला करने के लिए सरकारी मशीनरी के हर नट और बोल्ट का बड़े पैमाने पर दुरुपयोग कर रहे है। ऐसा लगता है कि हम जल्द ही उस चरम बिंदु पर पहुंच जाएंगे जहां सामाजिक न्याय और सद्भाव खत्म हो जाएगा और कमजोर वर्गों के डारे अधिकार धीरे-धीरे छीन लिए जाएंगे। यह विभाजन और नफरत की इस राजनीति के खिलाफ खड़े होने का समय है।उन्होंने कहा कांग्रेस इस लड़ाई को आगे बढ़कर लड़ रही है। पार्टी नेता राहुल गांधी ने शांति,एकता, सौहार्द और करुणा का संदेश फैलाने के लिए भारत जोड़ो यात्रा का नेतृत्व किया। अधिक लोगों, अधिक राज्यों और समाज के सभी वर्गों तक पहुंचने के लिए उनकी यात्रा जारी है। संविधान और उसके मूल्यों पर होने वाले हमले को लेकर प्रत्येक नागरिक को सवाल उठाना चाहिए। हम बिना किसी डर के लड़ने और अपने लोकतंत्र की रक्षा करने में सक्षम हैं। आज अंग्रेज़ों से निडर होकर लड़ने वाले अपने नेताओं से प्रेरणा लेने का दिन है।कांग्रेस नेता ने कहा ÷हम देश को महान संविधान देने वाले पंडित जवाहरलाल नेहरू, बाबा साहेब डॉ. बी. अम्बेडकर, सरदार वल्लभभाई पटेल, मौलाना अबुल कलाम आजाद, डॉ राजेंद्र प्रसाद, केएम मुंशी, सरोजिनी नायडू, ए कृष्णमूर्ति अय्यर, राजकुमारी अमृत कौर और अन्य प्रमुख नेताओं और महापुरुषो को आज के दिन याद करते हैं। हम उनकी दूरदर्शिता और बुद्धि के ऋणी हैं।

सिख श्रद्धालु गुरु नानक की जयंती मनाने पाकिस्तान पहुंचे

लाहौर/नई दिल्ली। सिख धर्म के संस्थापक बाबा गुरु नानक देव जी की 554वीं जयंती में भाग लेने के लिए भारत से लगभग 3,000 सिख यात्रियों (तीर्थयात्रियों) का प्रतिनिधिमंडल यहां वाघा सीमा के रास्ते से पाकिस्तान पहुंचा।इवेक्यू ट्रस्ट प्रॉपर्टी बोर्ड (ईटीपीबी) के अतिरिक्त सचिव (धर्मस्थल) राणा शाहिद सलीम, पाकिस्तान सिख गुरुद्वारा प्रबंधक समिति (पीएसजीपीसी) के प्रधान सरदार अमीर सिंह, समिति के सदस्य सरदार सतवंत सिंह, सरदार रविंदर सिंह और अन्य ने तीर्थयात्रियों का गर्मजोशी से स्वागत किया। शनिवार को ननकाना साहिब में गुरु नानक की 554वीं जयंती के अवसर पर धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लेने के लिए बड़ी संख्या में सिख यात्री पाकिस्तान पहुंचे।राणा शाहिद सलीम ने मेहमानों का स्वागत करते हुए कहा कि तीर्थयात्रियों के लिए विशेष बसों की व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा, ÷हम दुनिया भर से आए सभी सिख तीर्थयात्रियों का खुले दिल से स्वागत करते हैं।पीएसजीपीसी प्रधान सरदार अमीर सिंह ने कहा कि 25 नवंबर से चार दिसंबर तक पाकिस्तान में 10 दिवसीय प्रवास के दौरान, तीर्थयात्री गुरुद्वारा जन्मस्थान ननकाना साहिब, गुरुद्वारा पुंजा साहिब हसनअबदाल, गुरुद्वारा सच्चा सौदा, गुरुद्वारा डेरा साहिब लाहौर, गुरुद्वारा रोहरी साहिब ऐमनाबाद और गुरुद्वारा दरबार साहिब करतारपुर नारोवाल का दौरा करेंगे।

सिंह ने की एनसीसी की प्रशंसा

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) की स्थापना दिवस पर संगठन की प्रशंसा की है और कहा है कि यह संगठन देश के युवाओं की शक्ति तथा प्रतिभा का प्रदर्शन करता है। श्री सिंह ने रविवार को एनसीसी कैडेट और संगठन के कर्मियों को एनसीसी दिवस की शुभकामना और बधाई देते हुए सोशल मीडिया पर कहा है, ÷एनसीसी राष्ट्र की अखंडता, एकता, अनुशासन और सेवा के मूल्यों को सशक्त करता है। यह भारत की विविधता और हमारी जीवंत %युवा शक्ति% की जबरदस्त प्रतिभा को प्रदर्शित करता है।

दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण बढ़ा रहे कोयला आधारित ऊर्जा संयंत्र - रिपोर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में ताप ऊर्जा संयंत्रों द्वारा उत्सर्जन मानकों का पालन नहीं किए जाने से क्षेत्र में वायु प्रदूषण बढ़ रहा है। एक नए विश्लेषण में यह जानकारी सामने आई है।पर्यावरण से जुड़े 'थिंक टैंक' 'सेंटर फॉर साइंस एंड इंवायरमेंट' (सीएसई) ने दिल्ली-एनसीआर में 11 ताप ऊर्जा संयंत्रों (टीपीपी) से उत्सर्जित प्रदूषक तत्वों, नाइट्रोजन ऑक्साइड और सल्फर डाइऑक्साइड पर ध्यान केंद्रित करते हुए एक अध्ययन किया है। यह अध्ययन केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) की वेबसाइट पर मौजूद अप्रैल 2022 से अगस्त 2023 तक की उनकी पर्यावरणीय स्थिति रिपोर्ट पर आधारित है। अध्ययन के मुताबिक दिल्ली-एनसीआर में पीएम2.5 प्रदूषण में टीपीपी का हिस्सा करीब आठ फीसदी है।सीएसई में 'रिसर्च एंड एडवोकेसी' की कार्यकारी निदेशक अनुमिता रॉयचौधरी ने कहा, ÷अगर ताप ऊर्जा संयंत्र जैसे प्रदूषण के स्त्रोत इतने उच्च स्तर पर प्रदूषण करेंगे तो दिल्ली-एनसीआर स्वच्छ वायु के मानदंड और जन स्वास्थ्य की रक्षा के अपने लक्ष्य को कभी हासिल नहीं कर सकेगा। इस तरह के संयंत्र मानदंडों को पूरा करने में असमर्थ हैं, जिसकी शुरुआती वजह समयसीमा को लगातार आगे बढ़ाया जाना है।सीएसई रिपोर्ट के मुताबिक, समयसीमा को बार-बार आगे बढ़ाए जाने और केंद्रीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा संशोधित वर्गीकरण के बावजूद क्षेत्र में बहुत से संयंत्र नाइट्रोजन ऑक्साइड और सल्फर डाइऑक्साइड प्रदूषक तत्वों के उत्सर्जन के लिए तय मानकों का पालन नहीं कर रहे हैं।मंत्रालय ने दिसंबर 2015 में कोयला आधारित संयंत्रों के लिए सख्त उत्सर्जन मानक लागू किए थे, जिनका दो वर्ष के भीतर पालन किया जाना था। बाद में मंत्रालय ने दिल्ली-एनसीआर को छोड़कर सभी ऊर्जा संयंत्रों के लिए तय समयसीमा को पांच साल के लिए बढ़ा दिया था, जिसपर क्षेत्र में उच्च प्रदूषण स्तर को देखते हुए 2019 तक अमल किया जाना था।

प्रधानमंत्री की सुरक्षा में चूक को लेकर पंजाब के छह और पुलिसकर्मी निलंबित

चंडीगढ़। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जनवरी 2022 में पंजाब की यात्रा के दौरान हुई सुरक्षा में चूक के मामले में छह और पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। निलंबित किए गए पुलिस अधीक्षक स्तर के अधिकारी के साथ ही इन छह पुलिसकर्मियों पर यह कार्रवाई की गई है।राज्य के गृह विभाग के 22 नवंबर के आदेश के अनुसार, दो पुलिस उपाधीक्षक स्तर के अधिकारियों-परसोन सिंह और जगदीश कुमार, निरीक्षक जतिंदर सिंह और बलविंदर सिंह, उपनिरीक्षक जसवंत सिंह और सहायक उपनिरीक्षक रमेश कुमार को निलंबित कर दिया गया है।वर्तमान में बठिंडा जिले में पदस्थ पुलिस अधीक्षक गुरबिंदर सिंह को शनिवार को निलंबित किया गया था। आदेश के अनुसार, सभी पुलिसकर्मियों को पंजाब सिविल सेवा नियम (सजा और अपील) 1970 की धारा आठ के तहत आरोपपत्र में नामित किया गया है।फिरोजपुर में पांच जनवरी 2022 को प्रदर्शनकारियों द्वारा की गई नाकेबंदी के कारण प्रधानमंत्री मोदी का काफिला एक फ्लाईओवर पर फंस गया था, जिसके बाद उन्हें कार्यक्रम में शामिल हुए बिना पंजाब से लौटना पड़ा था और अपनी रैली रद्द करनी पड़ी थी। इस सुरक्षा चूक की जांच के लिए उच्चतम न्यायालय द्वारा पिछले साल 12 जनवरी को एक समिति नियुक्त की गई थी, जिसने इसके लिए राज्य के कई अधिकारियों को दोषी ठहराया था।

कोलकाता - फोर्ट विलियम के समीप कार ने मोटरसाइकिल को मारी टक्कर, एक व्यक्ति की मौत दो घायल

कोलकाता। कोलकाता में फोर्ट विलियम के समीप एक लग्जरी कार ने एक मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी, जिससे एक व्यक्ति की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी।

26/11 का आतंकी हमला यूपीए सरकार की विफलता, मोदी ने देश को बनाया सुरक्षित : सत्यपाल

नई दिल्ली, (एजेंसी)।

मुंबई के पुलिस कमिश्नर रह चुके रिटायर्ड आईपीएस अधिकारी और पूर्व केंद्रीय मंत्री सत्यपाल सिंह ने 26/11 आतंकी हमले को तत्कालीन यूपीए सरकार और सुरक्षा एजेंसियों की विफलता बताते हुए कहा है कि 26 नवंबर 2008 को मुंबई में जो हमला हुआ वह पाक आतंकियों का हमला था जो बहुत ही भयावह और दर्दनाक था।

भाजपा सांसद सत्यपाल सिंह ने आगे कहा कि यह आतंकवादी हमला देश और प्रदेश की जो तत्कालीन सरकारें थी, के साथ-साथ सुरक्षा एजेंसियो की बहुत बड़ी विफलता थी कि हम लोगों को पता ही नहीं चल पाया। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्य से कांग्रेस का और यूपीए का जो शासनकाल था, वह देश के आम आदमियों को सुरक्षा देने में एकदम नाकामयाब रहा। उस दौर में देश के अलग-अलग शहरों में लगातार आतंकी वारदातें हुआ करती थी, बम धमाके हुआ करते थे लेकिन 2014 में नरेंद्र मोदी के सत्ता में आने के बाद पूरा परिदृश्य बदल गया।

सत्यपाल सिंह ने मोदी सरकार द्वारा सुरक्षा एजेंसियों, राज्य पुलिस और खुफिया एजेंसियों के आधुनिकीकरण के लिए युद्धस्तर पर किए गए काम का हवाला देते हुए कहा कि आज हमारी सुरक्षा एजेंसियां पहले के मुकाबले कहीं ज्यादा मजबूत हुई है और सक्षम बनी है। उन्होंने दावा किया कि 2014 में मोदी के सत्ता में आने के बाद देश की आंतरिक और बाहरी सुरक्षा मजबूत हुई है। मोदी सरकार में भारत में आतंकवादियों के घरों या कैंप में घुसकर मारने की राजनीतिक इच्छा शक्ति भी है और मारक क्षमता भी है और वे यह कह सकते हैं कि कश्मीर को छोड़कर, जहां कुछ घटनाएं अभी भी हो रही हैं, आज लगभग पूरा का पूरा देश आतंकवादी घटनाओं से पूरी तरह से मुक्त हो गया है।उन्होंने यहां तक दावा किया कि मोदी है तो देश सुरक्षित है और मोदी है तो आतंकी पूरी तरह से भयभीत भी हैं और आज भारत की सुरक्षा का पूरा का पूरा परिदृश्य ही बदल गया है। आंकड़े यह बताते हैं कि देश में आतंकवाद की कमर टूट गई है। देश के अंदर नक्सलवादी हिंसा में भी 80 प्रतिशत के लगभग कमी आई है और कश्मीर को छोड़कर आज पूरा भारत आतंकी हिंसा से लगभग सुरक्षित है।हालांकि इसके साथ ही उन्होंने यह भी जोड़ा कि कश्मीर में भी पहले जो आए दिन लोग पत्थर फेंकते थे, पत्थरबाजी की उन घटनाओं में भी कमी आई है। कुछ घटनाएं (आतंकी) कश्मीर में अभी भी हो रही है लेकिन वहां का आम आदमी भी अपने आपको अब सुरक्षित महसूस कर रहा है। सिविलियन के मारे जाने की घटनाओं में काफी कमी आई है। सुरक्षा बलों के ऊपर जरूर कुछ हमले हो रहे हैं लेकिन यह भी एक सच्चाई है कि कश्मीर में सुरक्षा के हालात में बहुत सुधार हुआ है।

26/11 के आतंकी हमले के लिए जिम्मेदार आतंकवादियों को अभी तक सजा नहीं मिलने के बारे में पूछेगए सवाल का जवाब देते हुए सिंह ने कहा कि जब से भारत में नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बने हैं तब से पाकिस्तान पर आतंकवाद को लेकर अंतर्राष्ट्रीय दबाव बढ़ा है और पाकिस्तान की हालत आज बहुत खस्ता हो गई है। सर्जिकल स्ट्राइक के बाद पाकिस्तान के अंदर या पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के अंदर जो आतंकवादियों के ट्रेनिंग कैंप चला करते थे उसकी संख्या में भी कमी आई है। आज पूरा पाकिस्तान बहुत दबाव में है।

उन्होंने कहा कि जब तक मोदी इस देश के प्रधानमंत्री हैं तब तक आतंकवादी भारत में 26/11 की तरह का आतंकी हमला करने का सोच भी नहीं सकते लेकिन इसके बावजूद भारत को लगातार सतर्क, सावधान और अलर्ट रहना पड़ेगा क्योंकि आज आतंकवाद एक ग्लोबल समस्या बन चुका है।

राज्यपाल द्वारा लंबित विधेयकों के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट में होगी सुनवाई

नई दिल्ली, (एजेंसी)।

केरल उच्च न्यायालय द्वारा विधेयकों को मंजूरी देने के लिए राज्यपाल के लिए कोई निश्चित समयसीमा निर्धारित करने से इनकार करने के फैसले के खिलाफ केरल सरकार द्वारा दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट मंगलवार को सुनवाई करेगी।

शीर्ष अदालत की वेबसाइट पर प्रकाशित वाद सूची के अनुसार, सीजेआई डी.वाई.चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ 28 नवंबर को मामले की सुनवाई करेंगी।

केरल सरकार द्वारा दायर विशेष अनुमति याचिका उच्च न्यायालय द्वारा एक वकील द्वारा दायर जनहित याचिका को खारिज करने पर सवाल उठाती है, इसमें यह घोषणा करने की मांग की गई थी कि विधेयकों को अनिश्चित काल तक रोकने के राज्यपाल के कदम अपमानजनक, मनमाने, निरंकुश और लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत हैं।जनहित याचिका (पीआईएल) में कहा गया था कि राज्यपाल के पास बिलों को अनंत काल तक रोकने की कोई शक्ति नहीं है और भारत के संविधान के अनुच्छेद 200 के तहत बिना किसी विलंब के बिलों पर विवेकाधीन शक्तियों का प्रयोग करना उनका संवैधानिक दायित्व है।

इसमें मांग की गई कि राज्य विधानमंडल द्वारा प्रस्तुत विधायी विधेयकों पर राज्यपाल को प्राप्ति की तारीख से दो महीने की अवधि के भीतर कार्रवाई करनी चाहिए।

उच्च न्यायालय के समक्ष दायर याचिका में कहा गया, ÷यह राज्यपाल का संवैधानिक दायित्व है कि या तो वह किसी विधेयक पर सहमति दें या उसे विधानमंडल द्वारा पुनर्विचार के लिए वापस भेजें या राष्ट्रपति द्वारा विचार के लिए आरक्षित रखें।

इसमें कहा गया है कि संविधान के कामकाज की समीक्षा के लिए राष्ट्रीय आयोग, सरकारिया आयोग और न्यायमूर्ति एम.एम. पुंछी आयोग ने सिफारिश की है कि एक समय सीमा होनी चाहिए, जिसके भीतर राष्ट्रपति या राज्यपाल को अपनी विवेकाधीन शक्ति का प्रयोग करना होगा।

सीएम ने गोपालगंज डीएम-एसपी को उत्पाद पद देकर किया सम्मानित

गोपालगंज ।एजेंसी

नशामुक्ति दिवस के अवसर पर रविवार को पटना में उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग के द्वारा आयोजित विशेष कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शराबबंदी के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों के लिए अधिकारियों को सम्मानित किया।

इस दौरान सीएम ने शराबबंदी के बावजूद शराब के कारोबार से जुड़े तस्करों के विरुद्ध लगातार कार्रवाई को लेकर डीएम डॉ नवल किशोर चौधरी, एसपी स्वर्ण प्रभात तथा उत्पाद अधीक्षक को सम्मानित किया गया। मौके पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री कुमार

ने अधिकारियों को शराब माफियाओं के विरुद्ध लगातार कार्रवाई जारी रखने का निर्देश दिया।

जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन द्वारा ड्रग्स फ्री मिशन के तहत जिले में कार्यक्रम का आयोजन कर आम जन मानस को नशे के दुष्प्रभाव के प्रति जागरूक करने को लेकर कई कार्यक्रम को चलाया। मिशन के तहत नशे के कारोबार में संलिप्त लोगों के खिलाफ कठोर कार्यवाही भी की गई है। जिले भर में नशा निषेध दिवस मनाया गया।

डीएम ने वर्तमान में युवा पीढ़ी नशे की नशे से बचाने की सलाह दी। भावी पीढ़ी को हर हाल में नशे की लत से बचाने के लिए हम सभी को सजग रहने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि समाज की बुराइयों एवं कुरीतियों को समाप्त करने के लिए हम सभी को जागरूक नागरिक के रूप में ईमानदारी के साथ कार्य करने की जरूरत है। साथ ही अपने आस पड़ोस में नशे में संलिप्त असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर भी कड़ी नजर रखने की जरूरत है।

मुंबई : 26 नवंबर 2008 को हुए आतंकी हमले की बरसी पर शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई

मुंबई। महाराष्ट्र के राज्यपाल रमेश बैस और मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने 15 साल पहले आज के ही दिन मुंबई पर हुए आतंकी हमले में आतंकवादियों से लड़ते हुए जान गंवाने वाले शहीदों को रविवार को पुष्पांजलि अर्पित की।

बैस और शिंदे ने दक्षिण मुंबई में पुलिस आयुक्त के कार्यालय के परिसर में शहीदों के स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की, जहां राज्य के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा, दीपक केसरकर, शहर के पुलिस प्रमुख विवेक फणसालकर और पुलिस के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे।

पुलिसकर्मियों के परिवार के सदस्यों ने भी 26 नवंबर 2008 को हुए आतंकी हमले के दौरान जान गंवाने वाले शहीदों को श्रद्धांजलि दी।

राज्यपाल ने हमले में जान गंवाने वाले पुलिसकर्मियों के परिवार के सदस्यों से भी मुलाकात की।

राष्ट्रीय सुरक्षा गारद, मुंबई पुलिस के कर्मियों और भारतीय राजस्व सेवा के अधिकारी समीर वानखेड़े ने ताज महल पैलेस होटल के सामने 'गेटवे ऑफ इंडिया' पर आयोजित कैंडल मार्च में हिस्सा लिया।

आतंकवादियों ने जिन जगहों पर हमला किया उनमें से एक ताज महल पैलेस होटल भी था।

शहीदों की याद में आयोजित मार्च में रोटरी क्लब के सदस्य और मीठीभाई कॉलेज के छात्र भी शामिल हुए।

दस पाकिस्तानी आतंकवादी समुद्री मार्ग से 26 नवंबर, 2008 को मुंबई में घुसे और अंधाधुंध गोलीबारी की, जिसमें 18 सुरक्षाकर्मियों सहित 166 लोगों की मौत हो गई थी और कई अन्य घायल हुए थे। हमले में करोड़ों रुपये की संपत्ति को नुकसान पहुंचा था।

आतंकी हमलों में शहीद हुए सुरक्षा बलों के जवानों में आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) के तत्कालीन प्रमुख हेमंत करकरे, मेजर संदीप उन्नीकृष्णन, मुंबई के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अशोक कामटे और वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक विजय सालस्कर शामिल थे।

सुरक्षा बलों ने बाद में नौ आतंकवादियों को मार गिराया था। अजमल कसाब एकमात्र आतंकवादी था, जिसे जिंदा पकड़ा गया था। उसे चार साल बाद 21 नवंबर 2012 को फांसी दी गई थी।

राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने मुंबई में 26/11 हमले के शहीदों को दी श्रद्धांजलि

महाराष्ट्र के राज्यपाल रमेश बैस और मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने रविवार को दक्षिण मुंबई स्थित शहीद स्मारक पर 15 साल पहले 26 नवंबर 2008 को हुए आतंकी हमले के दौरान आतंकियों से लड़ते हुए शहीद हुए जवानों को पुष्पांजलि अर्पित की।इस मौके पर उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, मुंबई शहर के प्रभारी मंत्री दीपक केसरकर सहित तमाम अधिकारी उपस्थित थे। इस हमले में विदेशी नागरिकों सहित 166 लोग मारे गये थे और 300 से अधिक घायल हो गये।मुख्यमंत्री शिंदे ने कहा कि 15 साल पहले हुए हमले के बाद मुंबई पुलिस शहर की आंतरिक सुरक्षा उपायों को मजबूत किया गया है। एक दर्जन से अधिक लैंडिंग स्थलों की पहचान की गई है जो असुरक्षित हो सकते हैं और वहां चौबीसों घंटे गश्त की जाती है। साथ ही तटीय सुरक्षा में मदद के लिए नई त्वरित प्रतिक्रिया पुलिस टीमें भी तैनात की हैं और ड्रोन भी जोड़े हैं।उल्लेखनीय है कि लश्कर-ए-तैयबा के आतंकियों ने 26 नवंबर 2008 की रात को मुंबई में प्रवेश किया था ।

पूर्व सैनिक को घायल महिला की मदद करना पड़ा भारी, चालान के साथ लाइसेंस जब्त

हल्द्वानी। गौलापार क्षेत्र के रहने वाले एक पूर्व सैनिक को महिला का मदद करना भारी पड़ गया है। दरअसल, गौलापार क्षेत्र में बीते दिन एक महिला पेड़ से गिर गई थी, पास में ही रहने वाले रिटायर्ड सूबेदार मेजर नारायण सिंह बोरा महिला को गंभीर अवस्था में अपनी कार में अस्पताल में भर्ती कराने ले गए।

महिला की गंभीर हालत को देख तेजी से कार चलते हुए पूर्व सैनिक अस्पताल को निकले तो काठगोदाम में सीपीयू ने पूर्व फौजी को तेज कार चलाने पर ऑनलाइन चालान कर दिया। पूर्व फौजी के पास जब ऑनलाइन चालान आया तो उन्होंने चालान भर दिया, लेकिन पूर्व फौजी का ड्राइविंग लाइसेंस भी 3 महीने के लिए सस्पेंड कर दिया गया तो पूर्व सैनिक संगठनों ने इस पर आपत्ति जताई।

एसएसपी कार्यालय पहुंचे पूर्व सैनिक संगठन में नाराजगी देखी गई, जहां भारी संख्या में पूर्व सैनिकों ने एसपी कार्यालय में अपनी नाराजगी व्यक्त की। इस दौरान पूर्व सैनिकों ने कहा कि उन्हें देश सेवा और लोगों की सेवा के लिए सेना में प्रशिक्षण दिया जाता रहा है, यहां भी वह लोगों की मदद ही करते हैं। महिला को अस्पताल पहुंचने के लिए कार तेज चलाने पर सीपीयू ने चालान कर दिया।

यहां तक तो सब ठीक है, चालान की रकम भी जमा कर दी। लेकिन लाइसेंस 3 महीने तक जब्त किए जाने को लेकर उनको आपत्ति है, अब पूर्व सैनिकों ने एसपी सिटी एसपी से मुलाकात कर लाइसेंस जब्त न किए जाने की मांग की है। पुलिस इसे ऑनलाइन चालान का हवाला देकर खुद को असमर्थ बता रही है।

एसपी सिटी हरबंस सिंह का कहना है कि पूर्व सैनिकों को समझा बुझा दिया गया है। साथ ही नियम के अनुसार कार्रवाई की गई है, उन्होंने कहा कि पूर्व सैनिक ने अगर महिला की मदद की है तो उसका वह प्रमाण दिखा दें, इसके बाद उनका लाइसेंस जब्ती की कार्रवाई नहीं की जाएगी।

दमोह- आकार ले रहा देश का सबसे बडा टाईगर रिजर्व

दमोह ।एजेंसी

देश का सबसे बडा टाईगर रिजर्व मध्यप्रदेश के दमोह और सागर जिलों में अस्तित्व में आने लगा है। नौरादेही और रानीदुर्गावती अभ्यारण को मिलाकर अब एक कर दिया गया है और अब यह रानी दुर्गावती टाईगर रिजर्व के नाम से पहचाना जायेगा।दमोह जिले के जबेरा विधानसभा क्षेत्र का एक बडा भाग सिग्रामपुर जहां वीरांगना रानी दुर्गावती की राजधानी रही है, वन अभ्यारण के नाम से पहचाना जाता था। इसी से लगा हुआ सागर जिले का एक बडा भाग नौरादेही अभ्यारण के नाम से पहचाना जाता था। दमोह जिले का 582 स्क्वॉयर किलोमीटर एरिया इसमें सम्मिलित होने के बाद यह 23 सौ स्कायर किलोमीटर हो जायेगा जो भारत में सबसे बड़ा टाईगर रिजर्व होगा।दमोह के वनमंडलाधिकारी महेन्द्र

सिंह उईके ने बताया कि दमोह वन मंडल सेंचुरी की यह भूमि हम नौरादेही अभ्यारण को हस्तांरित करने जा रहे हैं। दमोह जिले में 3 नई रेंज बनेंगी टाईगर रिजर्व का मुख्यालय दमोह जिले के जबेरा में बनाने के लिये प्रस्ताव भेजा गया है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में 16 टाईगर यहां हैं।

ठाणे और पालघर में भारी बारिश; आकाशीय बिजली गिरने से इमारत में आग लगी

ठाणे/पालघर।

महाराष्ट्र के ठाणे और पालघर जिले के कई हिस्सों में रविवार तड़के भारी बारिश के बीच आकाशीय बिजली गिरने से ठाणे में एक इमारत में आग लग गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।भिवंडी-निजामपुर नगर निगम के आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ अधिकारी साकिब खरबे ने बताया कि ठाणे में भिवंडी शहर के कलहेर क्षेत्र में दुर्गेश पार्क इलाके में एक इमारत की प्लास्टिक की छत पर सुबह लगभग पौने सात बजे आग लग गई। उन्होंने कहा कि घटना में कोई हताहत नहीं हुआ लेकिन आग से इमारत की प्लास्टिक की छत क्षतिग्रस्त हो गई।

अधिकारी ने बताया कि सूचना मिलने के बाद दमकल की एक गाड़ी को मौके पर भेजा गया और आग पर काबू पा लिया गया। पालघर में बारिश के बाद कुछ मोटरसाइकिल दुर्घटनाओं की सूचना मिली।पालघर जिला ग्रामीण नियंत्रण कक्ष के एक अधिकारी ने कहा कि केलवे पुलिस थाना अंतर्गत इस तरह की एक दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई।

मोदी चाहते हैं कि केसीआर सत्ता में बने रहें - राहुल गांधी

संगारेड्डी (तेलंगाना)।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आरोप लगाया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चाहते हैं कि के. चंद्रशेखर राव तेलंगाना में सत्ता में बने रहें।बीआरएस और भाजपा के बीच छुपी साझेदारी का आरोप लगाते हुए राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस का पहला लक्ष्य तेलंगाना में केसीआर को हराना है और फिर केंद्र से मोदी सरकार को हटाना है।

राहुल गांधी पार्टी उम्मीदवार पूर्व उपमुख्यमंत्री दामोदर राजनरसिम्हा के लिए प्रचार करने के लिए संगारेड्डी जिले के एंडोले में एक चुनावी रैली को संबोधित कर रहे थे।

कांग्रेस सांसद ने आरोप लगाया कि बीजेपी, बीआरएस और एमआईएम एक साथ है और कांग्रेस इन सभी से लड़ रही है।

उन्होंने दावा किया कि बीआरएस ने जीएसटी, नोटबंदी और कृषि बिलों पर मोदी सरकार का समर्थन किया।

उन्होंने कहा, ÷चूंकि मैं हर दिन बीजेपी से लड़ता हूं, मेरे खिलाफ 24 मामले हैं लेकिन केसीआर के खिलाफ ईडी, सीबीआई या आईटी का एक भी मामला नहीं है।÷

राहुल गांधी ने एमआईएम पर निशाना साधते हुए कहा कि जहां भी कांग्रेस बीजेपी से लड़ रही है, वहां वह बीजेपी की मदद के लिए अपने उम्मीदवार उतार देती है।

शनिवार रात हैदराबाद में बेरोजगार युवाओं के साथ अपनी मुलाकात का जिक्र करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि केसीआर सरकार ने टीएसपीएससी परीक्षा में पेपर लीक के जरिए उनका भविष्य बर्बाद कर दिया।

उन्होंने कहा, उन्होंने मुझे बताया कि उन्होंने परीक्षा की तैयारी के लिए पैसे खर्च किए और कड़ी मेहनत की, लेकिन पेपर लीक ने उनके सारे सपने चकनाचूर कर दिए।

कांग्रेस नेता ने 30 नवंबर के विधानसभा चुनाव को 'दोराला सरकार' और 'प्रजला सरकार' के बीच लड़ाई बताया। उन्होंने वादा किया कि अगर कांग्रेस सत्ता में आई तो जनता का शासन लाएगी।

उन्होंने आरोप लगाया कि केसीआर सरकार पूरे देश में सबसे भ्रष्ट है। उन्होंने कहा, ÷तेलंगाना अलग राज्य के लिए लड़ते समय लोगों ने एक ऐसी सरकार का सपना देखा था जो गरीबों, आदिवासियों, किसानों और कमजोर वर्गों के लिए काम करेगी, लेकिन उन्हें एहसास हुआ कि एक परिवार उन पर शासन कर रहा है।

उन्होंने लोगों को आश्वासन दिया कि केसीआर और उनके परिवार द्वारा उनसे लूटा गया पैसा कांग्रेस छह गारंटी लागू कर लोगों को वापस करेगी।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सर्दियों में तूफानी बारिश से आफत आंधी और बारिश से भारी नुकसान

सडक, छत और वाहनों पर पेड गिरने से दमकल विभाग कि लगातार कार्यवाही जारी

जगह-जगह पेड़ गिरे, सडक पर जलजमाव की स्थिति बनी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत :रविवार सूबह से ही सूरत समेत पूरे जिले में तेज हवाओं और तूफान के साथ बेमौसम बारिश ने जोरदार दस्तक दी है। इस बेमौसम बारिश ने पूरे सूरत जिले में बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचाया है, जब सर्दियों के मौसम में मानसून जैसा माहौल बना हुआ है। तेज हवाओं के साथ हुई बारिश से जहां कई कच्चे मकान क्षतिग्रस्त हो गए हैं, वहीं दूसरी ओर हर जगह सड़कों पर बड़ी संख्या में पेड़ गिर गए हैं, वहीं सर्दी की बारिश आफत बन गई है।

मौसम विभाग की ओर से गुजरात में 3-4 दिनों तक हवा के साथ भारी बारिश की भविष्यवाणी की गई थी, जिसके चलते सूरत समेत गुजरात में दो दिनों से मौसम में बदलाव हुआ है। पिछले दिन सामान्य बारिश के बाद रविवार सुबह से ही पूरे जिले में हवा और गरज के साथ मूसलाधार बारिश हुई। बेमौसम बारिश लोगों के लिए आफत बनकर आई है।

सूरत दमकल विभाग से मिली जानकारी के अनुसार सुबह से ही शहर और जिले में तूफानी हवाओं और गरज के साथ मूसलाधार बारिश शुरू हो गई। जिसे हर जगह भारी क्षति पहुंची है। सूरत शहर और जिले में तेज हवाओं के कारण कई पेड़ गिर गये। पेड़ गिरने से कई सड़कें बंद हो गई हैं, वहीं दमकल विभाग को पेड़ गिरने की लगातार कॉल मिलने के बाद दमकल विभाग द्वारा कार्रवाई जारी है।

सर्दी से शुरू होने से पहले हुई बेमौसमी बारिश लोगों के लिए आफत बन गई है। हवा के साथ हुई बारिश से जिले के कई घरों को भारी नुकसान पहुंचा है। खासकर सूरत जिले के गांवों में बने मिट्टी के घरों को भारी नुकसान हुआ है। तेज हवा के कारण कच्चे मकानों की छते उड़ गईं और कई मकानों की दीवारें भी गिर गईं, जिससे लोगों को नुकसान हुआ।

बेमौसम बारिश से किसान सबसे ज्यादा प्रभावित हुए है। बारिश के कारण सूरत समेत जिले के खेतों में पानी भर गया है। बारिश शुरू होते ही किसान अपनी फसलों को बचाने के लिए खेतों में काम करने लगे। हालांकि जिस तरह से बारिश हुई उससे खेतों में खड़ी सर्दियों की फसलों को भारी नुकसान हुआ है।

वराछा में आवासीय सोसायटी की छत पर बने रूम में चल रहा था देह व्यापार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

घनश्यामनगर विभाग-2 में एक घर की छत पर छापेमारी में एक गिरफ्तार, चार महिलाएं रिहा

सूरत। वराछा के घनश्याम नगर विभाग-२ में एक बिल्डिंग की चौथी मंजिल पर देह व्यापार पकड़ा गया है। पुलिस ने चार महिलाओं को रिहा कर एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर संबंधित कार्रवाई की है।

क्राइम ब्रांच एएचटीयू की टीम जब गश्त पर थी तो सूचना मिली कि प्लॉट नंबर 242, गली नंबर 242 की चौथी मंजिल पर वेश्यालय चल रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस ने छापेमारी की। अभिजीत अंशुभाई कालिदास पाल (उम्र. 36, निवास नंबर 105 मारुति पैलेस रूद्र रेजीडेंसी, कडोदरा चार रास्ता के पास उंभेर गांव और पश्चिम बंगाल के मूल निवासी) ने एक साल के लिए यह कमरा किराए पर लिया था। वह इस कमरे में 4 महिलाओं से वेश्यावृत्ती कराता था। छापेमारी के दौरान पुलिस ने कुल 2650 का सामान जब्त किया और 4 महिलाओं को मुक्त कराया। इससे पहले भी वराछा की एक सोसायटी में छत पर पेपर रूम बनाकर देह व्यापार का धंधा पकड़ा गया था।

नवसारी रोड पर लाइट पोल और पेड़ गिरने से कुछ देर के लिए ट्रैफिक जाम हो गया

बेमौसम बारिश और तेज़ हवाओं के कारण कुछ जगहों पर ट्रैफिक जाम

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत :सूरत सहित गुजरात में बेमौसम बारिश के साथ तेज हवाओं के कारण कई सड़कों पर पेड़, बिजली के खंभे और होर्डिंग गिर गए। सूरत नवसारी और सूरत ओलपाड सड़कों पर कई पेड़ और खंभे गिरने से घंटों तक यातायात जाम रहा। बारिश और ठंड में फंसने के कारण वाहन चालकों की हालत खस्ता हो गयी। हालांकि,प्रशासन ने तुरंत खंभों और पेड़ों को हटा दिया, जिसके बाद सड़क को मोटर चालकों की आवाजाही के लिए खोल दिया गया।

सूरत नवसारी और सूरत ओलपाड सड़कों पर पेड़, खंभे और होर्डिंग्स गिरने से कई वाहन चालक फंस

मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक आज बेमौसम बारिश हुई। हालांकि, बारिश के साथ-साथ तेज हवाएं चलने से लोगों को काफी मुसिबतों का सामना करना पडा। दिन की शुरुआत में बारिश धीमी रही लेकिन दोपहर में बारिश तेज हो गई। ऐसी बारिश हुई मानो मानसून शुरू हो गया हो। बारिश के साथ तेज हवाओं के कारण सूरत ओलपाड और सूरत नवसारी सड़कों पर कई पेड़ और बिजली के खंभे उखड़ कर सड़क पर गिर गये। ओलपाड सूरत रोड पर ५ पेड़ उखड़ गए।

सूरत नवसारी और सूरत ओलपाड रोड पर होर्डिंग और पेड़ गिरने से घंटों तक ट्रैफिक जाम रहा। बारिश के कारण लोग अपनी गाड़ियों से बाहर भी नहीं निकल सके। उधर, वाहनों की लंबी कतार लग गई। इससे वाहन चालकों का हाल बेहाल हो गया। जब प्रशासन को पता चला तब टूटे पेड़, लाइट पोल और होर्डिंग्स को हटाने का काम किया गया तो कुछ देर बाद रास्ता खुल गया और वाहन चालकों को निकलने में राहत मिली।

साढे तीन इंच बारिश, तुफान और अंधेरे के कारण फ्लाइट को अहमदाबाद डायवर्ट किया

सूरत में खराब मौसम के दौरान बेंगलुरू- सूरत एयर एशिया की लैंडिंग मुश्किल लगने पर पायलट ने डायवर्ट करने का निर्णय लिया

एयर एशिया की फ्लाइट को सूरत एयरपोर्ट से अहमदाबाद डायवर्ट किया गया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत:रविवार को मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक दक्षिण गुजरात के मौसम में बड़ा बदलाव देखा गया। सूरत में सुबह से बेमौसम बारिश शुरू होने से लोग भी हैरान हैं। हवा के साथ हुई बारिश ने वातावरण में शीतलहर भी ला दी है। पिछले दो दिनों से सूरत समेत दक्षिण गुजरात में बेमौसम बारिश देखने को मिल रही है। रवी फसल की रोपाई के समय बारिश होने से किसानों की चिंता भी बढ़ गयी है। मौसम विभाग ने 27 नवंबर तक बेमौसम बारिश की भविष्यवाणी की है।

सूरत में सूबह के समय दो घंटे में दो इंच बारिश हुई। दिन भर में कुल साढ़े तीन इंच बारिश दर्ज की गई है। शहर में भारी बारिश के कारण लोगों की परेशानी बढ़ गयी है। शहर के अडाजण इलाके में ऋषभ टावर के पास पानी भर गया। इसके अलावा निचले इलाकों में भी पानी भर गया है। दूसरी ओर, भारी बारिश के कारण बेंगलुरु

सूरत एयर एशिया की उड़ान संख्या I5613 को लैंडिंग में सफलता नहीं मिलने पर सूरत हवाई अड्डे पर एक चक्कर लगाने के बाद अहमदाबाद की ओर मोड़ दिया गया है। भारी बारिश के कारण फ्लाइट को नहीं उतारा गया। पायलट ने कुछ देर इंतजार करने के बाद बिना कोई जोखिम उठाए फ्लाइट को अहमदाबाद ले जाने का फैसला किया। सूरत एयरपोर्ट अथॉरिटी को सूचना देकर फ्लाइट को डायवर्ट कर दिया गया है।

सूरत शहर में सुबह से ही आसमान काले बादलों से ढका हुआ था। अचानक शहर में पूरी रफ्तार से हवा चलने लगी। सूरत के अडाजण, पाल, वेसू जैसे इलाकों में मिनी तूफान जैसी स्थिति देखने को मिली। ऐसी स्थिति में सडक पर वाहनचालक को परेशान हुए ही मगर फ्लाईट को भी डायवर्ट करना पडा।

बारिश से शादी समारोह में खलल: मंडप ढह गया जहांगीरपुरा में पार्टी प्लॉट में कुर्सियां बिखर गई

तेज हवा के कारण मंडप और कुर्सिया बिखर गई

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत : पश्चिमी विक्षोभ और साइक्लोनिक सर्कुलेशन के मजबूत सिस्टम के कारण सूरत समेत कई जिलों में सुबह से ही तेज हवाओं के साथ बेमौसम बारिश हुई है। जिसके चलते कई जगहों पर नुकसान का मंजर देखने को मिला। जिसमें सूरत के जहांगीरपुरा इलाके में केसर कुंज पार्टी प्लॉट पर शादी समारोह के लिए बनाया गया

मौसम विभाग के पूर्वानुमान को नजरअंदाज करनेवाले लोगो को मुश्किलों का सामना करना पडा

मंडप समेत शेड फंस गया।

मौसम विभाग ने अगले दो दिनों तक गुजरात के विभिन्न जिलों और तालुकाओं में बेमौसम बारिश की भविष्यवाणी की है। पूर्वानुमान के बाद आज सुबह से सूरत सहित दक्षिण गुजरात में बेमौसम बारिश हुई। तेज हवाओं के कारण सूरत के जहांगीरपुरा में एक पार्टी प्लॉट में शादी समारोह के लिए बनाया गया मंडप सहित एक शेड ढह गया।

बेमौसम बारिश के पूर्वानुमान को नजरअंदाज किया गया। केशरकुंज पार्टी प्लॉट में विवाह समारोह के लिए एक बड़े मंडप के साथ एक शेड का निर्माण किया गया था। साथ ही आमंत्रितों को बैठने के लिए कुर्सियों की भी व्यवस्था की गयी थी। बारिश और तेज हवा के कारण कुर्सिया और मंडप बिखर गया। जिसके चलते अन्य कार्यक्रम भी अटक गए।

बेमौसम बारिश से दक्षिण गुजरात में चीनी मिलें प्रभावित

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत : सूरत समेत पूरे राज्य में बेमौसम बर्फबारी के साथ ओलावृष्टि से किसानों की स्थिति चिंता में है। फसल को भारी नुकसान होने की आशंका है। दक्षिण गुजरात के किसानों की आजीविका मानी जानेवाली चीनी मिलों पर भी प्रभाव पड़ा है। बेमौसम बारिश के कारण लाखों टन पेराई कार्य रुकने की आशंका चीनी मिल के निदेशक और किसान नेता दर्शन नायक जता रहे हैं।

सूरत समेत दक्षिण गुजरात में बेमौसमी बारिश की वजह से किसानों कि हालत गंभीर बनी हुई हैं। दक्षिण गुजरात में गन्ने की फसल किसानों की मुख्य आजीविका है और बेमौसम बारिश के कारण खेतों में पानी भर जाने से गन्ने की कटाई रुक गई है। दक्षिण गुजरात में बारडोली, सायन, चलथान, महुवा, गणदेवी, कामरेज, वटारिया, नर्मदा, पड़वई, वलसाड सहित चीनी मिलें में भारी बारिश के कारण गन्ने की फसल बर्बाद हो गई है। सायन शुगर फैक्ट्री के निदेशक और किसान नेता दर्शन नायक ने कहा कि आमतौर पर एक चीनी फैक्ट्री में एक दिन में 50 हजार टन से अधिक पेराई होती है।

अधिक जानकारी देते हुए दर्शन नायक ने कहा कि एक तरफ जहां इस साल के अंत में

खेतों से गन्ना यदि फैक्ट्री तक नहीं पहुंचा पाते है, तो पेराई कार्य बंद किया जा सकता है

खेतों में भारी मात्रा में कटा हुआ गन्ना गिरने से किसान चिंतित

चीनी मिलों में पेराई का काम शुरू हो गया, वहीं दूसरी तरफ बेमौसम भारी बारिश के कारण चीनी मिलों को बंद करना पड़ा, जिससे गन्ने की कटाई प्रभावित हुई है । बेमौसम बारिश के कारण खेतों और सड़कों पर पानी भर जाने से किसानों को कटाई रोकने पर मजबूर होना पड़ा है,

कुछ खेतों में गन्ने की मात्रा भी गिर रही है जिसके कारण कटाई रुक गई है। साथ ही सड़कें गीली होने से अब मिट्टी कटाव के कारण किसान खेतों तक नहीं पहुंच पा रहे हैं और कटे हुए गन्ने को ले जाना मुश्किल हो जाएगा।

गन्ने की मात्रा चीनी मिलों तक नहीं पहुंच पाएगी, इसलिए चीनी मिलों को पेराई कार्य बंद करना पड़ेगा। भारी बारिश के कारण दक्षिण गुजरात में कटाई बंद होने से गन्ने की मात्रा चीनी मिलों तक नहीं पहुंच पाएगी। अगर अब और बारिश होती है, तो गन्ने की मात्रा की कमी के कारण पेराई कार्य बंद होने की संभावना दर्शन नायक ने जताई है। यहां बता दें कि आमतौर पर चीनी मिलें 160 से 190 तक चलती हैं, वर्तमान में 1.75 लाख एकड़ गन्ने की खेती का अनुमान है जिसके कारण दक्षिण गुजरात में लगभग एक लाख गन्ने की कटाई करनेवाले मजदूरों पर भी असर पडेगा। अगर फैक्ट्रियों में पेराई का काम बंद हो गया तो एक दिन में 50 हजार टन से ज्यादा पेराई नहीं हो सकेगी।